धींधवाल पब्लिकेशन
DHP-05

द्वितीय संशोधित संस्करण

राजस्थान कला एवं संस्कृति

राजस्थान कला एवं संस्कृति के
प्रश्नोत्तर का सर्वश्रेष्ठ संकलन

चालीसा

4400 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
व्याख्या सहित

होशियार सिंह
उप निरीक्षक, राजस्थान पुलिस

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन

परीक्षा में सफलता हेतु इन पुस्तकों का अध्ययन करें

हमारे प्रकाशन की अन्य पुस्तकें

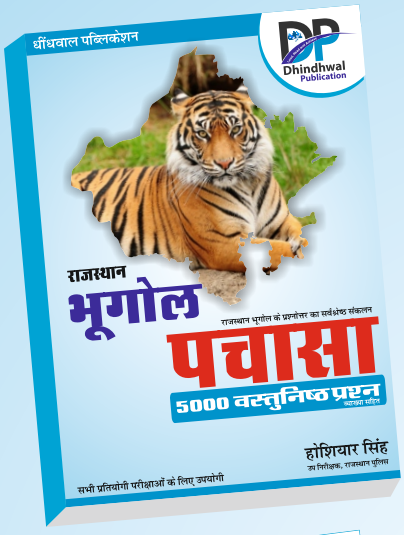

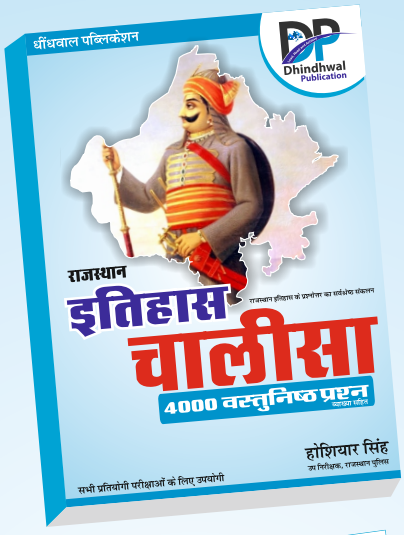

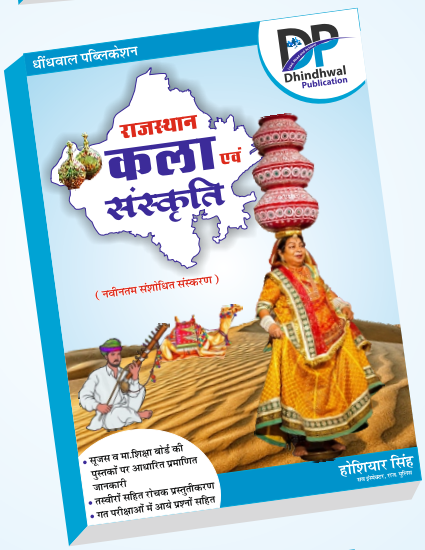

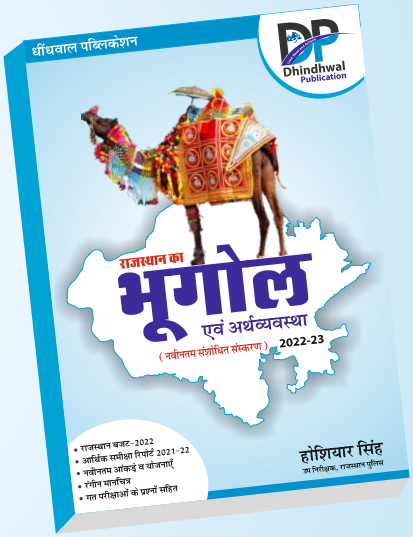

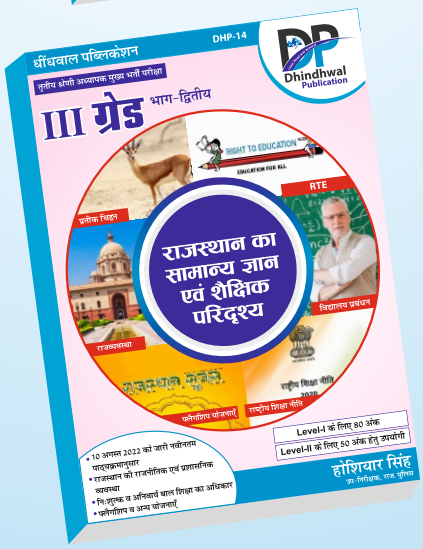

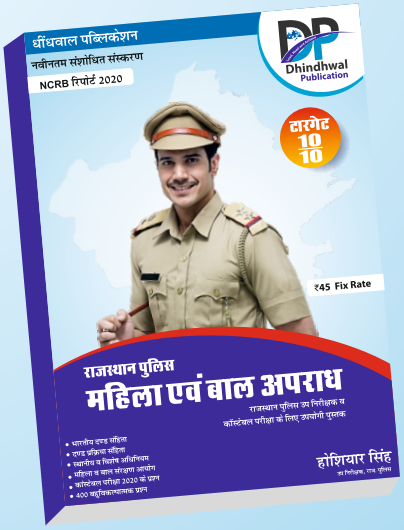

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8118833800, 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

सदैव छात्र हितार्थ

जुड़िए पब्लिकेशन के टेलीग्राम चैनल से

Dhindhwal Publication

- निःशुल्क मार्गदर्शन
- निःशुल्क टैस्ट सीरीज (पीडीएफ फॉर्मेट में)
- विज्ञप्ति सिलेबस व परिणाम संबंधी जानकारी
- शैक्षणिक समाचार
- डाउट क्लियर करने के लिए पब्लिकेशन के लेखकों से सीधा संवाद
- भूगोल जैसे विषय के अद्यतन आँकड़े

टेलीग्राम में जाकर धींधवाल पब्लिकेशन/Dhindhwal Publication सर्च करके इसे जोइन कर सकते हैं।
टेलीग्राम ग्रुप का लिंक प्राप्त करने के लिए 8118833800 पर वाट्सअप मैसेज करें।

होशियार सिंह

उप निरीक्षक, राज. पुलिस

: लेखक परिचय :

होशियार सिंह का जन्म ग्राम रतनपुरा तहसील राजगढ़ जिला चुरू (राजस्थान) में हुआ। आपने स्नातक करने के दौरान ही वर्ष 2003 से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आरम्भ की, राजस्थान पुलिस (जिला बीकानेर वर्ष 2008) में कानिस्टेबल के पद पर चयन के साथ ही 2008 में तृतीय श्रेणी अध्यापक के पद पर चयन हुआ। आपने 5 वर्ष तक जिला राजसमंद में तृतीय श्रेणी अध्यापक के रूप में अपनी सेवाएँ दी, तत्पश्चात् द्वितीय श्रेणी शिक्षक (हिन्दी) 2013 में चयन होने पर आपने राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कतरियासर (बीकानेर) में अपनी सेवाएँ दी, तत्पश्चात् राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक 2014 में चयन हुआ, वर्तमान में आप राजस्थान पुलिस में उप निरीक्षक हैं, आपको राजस्थान की विभिन्न प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में अध्यापन व मार्गदर्शन का गहन अनुभव है।

लेखक की अन्य पुस्तकें

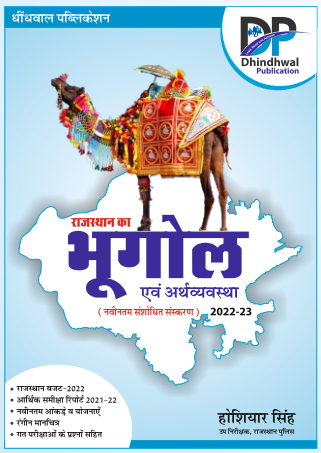

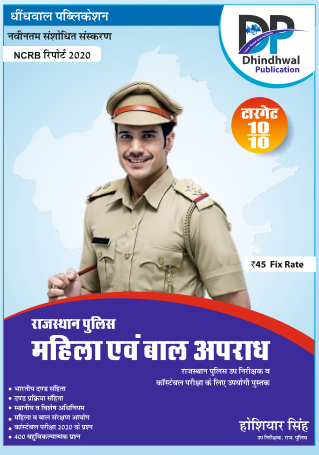

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8118833800, 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

प्रस्तुत करते हैं-

Dhindhwal Publication

राजस्थान कला व संस्कृति चालीसा

(4400+ प्रश्न व्याख्या सहित)

- ☞ राजस्थान कला व संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ प्रश्नों का टॉपिक वाईज संकलन
- ☞ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों से तैयार किए गए प्रश्नों का संकलन
- ☞ सुजस व हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकों पर आधारित प्रश्नों का समावेश
- ☞ RPSC व RSMSSB के नवीनतम पैटर्न के अनुसार तैयार किये गये प्रश्न

RAS, कॉलेज व्याख्याता, स्कूल व्याख्याता, शिक्षक IInd ग्रेड, शिक्षक IIIrd ग्रेड, REET, H.M., पुलिस उपनिरीक्षक, पटवार, ग्रामसेवक, राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल, राजस्थान हाइकोर्ट, वनरक्षक, वनपाल, पुस्तकालयाध्यक्ष, PTI IInd ग्रेड, PTI IIIrd ग्रेड व राजस्थान की अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी पुस्तक।

धींधवाल पब्लिकेशन

B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर

मो.- 8306733800

लेखक :- होशियार सिंह

(उप निरीक्षक, राजस्थान पुलिस)

प्रकाशक:-

धींधवाल पब्लिकेशन

B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर

मो.- 8306733800

- Dhindhwal Publication

- धींधवाल पब्लिकेशन

- Hoshiyar singh Examwala

- @Publication-DP

- Dhindhwal Publication

बुक कोड- DHP- 05

द्वितीय संशोधित संस्करण

© सर्वाधिकार- लेखक

मूल्य- 360

मुद्रक-

पिंकसिटी ऑफसेट, जयपुर

मो.- 9414054176

इस पुस्तक के किसी भी अंश का लेखक तथा प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना मुद्रित करना, कराना तथा इस पुस्तक की व इस पुस्तक के किसी भाग की फोटाकॉपी, स्कैनिंग, इलेक्ट्रोस्टेट, मशीनी टंकण अथवा किसी भी तरीके से पुन: उपयोग करना, पी.डी.एफ बनाकर वाट्सअप या टेलीग्राम आदि पर प्रसारित करना पूर्णत: वर्जित है।

इस पुस्तक को तैयार करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है पुस्तक में दिये गये तथ्य व विवरण उचित व विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त किये गये हैं, फिर भी इसमें किसी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप रह जाना संभव है। अत: ऐसी किसी भी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप के कारण हुई क्षति अथवा क्लेश के लिए लेखक, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक, विक्रेता व कर्मचारीगण का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। आप उपर्युक्त सभी शर्तों को स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से पुस्तक खरीद रहे हैं अत: दायित्व आपका स्वयं का होगा। सभी प्रकार के परिवादों का न्यायिक क्षेत्र बीकानेर होगा।

भूमिका

प्रिय परीक्षार्थियो,

मुझे **'राजस्थान कला व संस्कृति चालीसा' (4,420 प्रश्न)** की यह पुस्तक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। इससे पूर्व **'राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था'**, **'राजस्थान की कला व संस्कृति'** तथा **'राजस्थान का इतिहास'** नामक हमारी पुस्तकें पूरे राजस्थान में पसन्द की जा रही है।

प्रस्तुत पुस्तक में **राजस्थान कला व संस्कृति** के सर्वश्रेष्ठ प्रश्नों को शामिल किया गया है। इस पुस्तक में सुजस, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों व हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकों से प्रश्न तैयार कर इसमें शामिल किये गये हैं।

प्रस्तुत पुस्तक मैंने हमारी अन्य पुस्तकों (राजस्थान G.K.) को पढ़ रहे परीक्षार्थियों की माँग पर तैयार की है, मेरा पूर्ण विश्वास है कि इन **4,420** प्रश्नों को पढ़ने के बाद आपका राजस्थान कला व संस्कृति के प्रश्नों का शानदार अभ्यास (प्रेक्टिस) हो जाएगा। प्रत्येक टॉपिक में अधिकतम प्रश्नों को शामिल करने का प्रयास किया गया है। हमने प्रत्येक प्रश्न के सामने ही उसका उत्तर दिया है, अगर उत्तरमाला अध्याय के अंत में दी जाती है, इससे उत्तरमाला में गलती होने की सम्भावना बढ़ जाती है। साथ ही अनावश्यक प्रश्नों को शामिल करने से बचते हुए इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि परीक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण कोई भी प्रश्न छूटे नहीं।

राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के पैटर्न के अनुसार ही प्रश्न तैयार किये गये हैं, ताकि अभ्यर्थी को इस विषय में अपनी तैयारी को परखने के साथ–साथ कला व संस्कृति के प्रत्येक टॉपिक की गहरी समझ विकसित हो जाए। पुस्तक को परीक्षार्थियों की आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक से अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रश्नों की भाषा सरल व शैली बोधगम्य रखी गयी है।

मैं उन सभी मित्रों, प्रतियोगी छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस पुस्तक के लेखन हेतु ऊर्जावान प्रेरणा दी। यह पुस्तक भी मैं अपने देवतुल्य **माता–पिता** को समर्पित करता हूँ। पुस्तक लेखन के कार्य में मेरी **धर्मपत्नी श्रीमती विमला** का विशेष सहयोग रहा। पुस्तक को व्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के लिए **टाईपिस्ट राहुल भादाणी, विष्णु पुरी** व **पब्लिकेशन टीम** के सदस्य **कानाराम कुम्हार, मुकेश कुमावत व मनीराम मूण्ड** को भी धन्यवाद देता हूँ।

यद्यपि पुस्तक के लेखन एवं प्रकाशन में पूर्ण सावधानी बरती गई है, तथापि आगामी संस्करणों में इसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके अमूल्य सुझावों **(मो. 8118833800)** का हार्दिक स्वागत है।

''तैयारी करने में फेल होने का अर्थ है,

फेल होने की तैयारी करना।।''

होशियार सिंह

(उप निरीक्षक, राजस्थान पुलिस)

राजस्थान कला व संस्कृति चालीसा – 4,420 प्रश्न

क्र. सं.	विषय–वस्तु		पृष्ठ संख्या
1.	राजस्थान के दुर्ग	(360 प्रश्न)	1 –19
2.	राजस्थान के महल, पैलेस व स्मारक	(155 प्रश्न)	20–26
3.	राजस्थान की हवेलियाँ	(110 प्रश्न)	27–31
4.	राजस्थान की छतरियाँ	(75 प्रश्न)	32–35
5.	राजस्थान में जल स्थापत्य	(35 प्रश्न)	36–37
6.	राजस्थान के लोकदेवता	(175 प्रश्न)	38–47
7.	राजस्थान की लोक देवियाँ	(180 प्रश्न)	48–56
8.	राजस्थान के सम्प्रदाय व संत	(243 प्रश्न)	57–68
9.	मुस्लिम पीर, मस्जिदें, दरगाह, मीनार व मकबरे	(76 प्रश्न)	69–72
10.	राजस्थान के मंदिर	(275 प्रश्न)	73–86
11.	राजस्थान के त्योहार व मेले	(242 प्रश्न)	87–98
12.	राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ	(215 प्रश्न)	99–110
13.	राजस्थान की हस्तकलाएँ	(212 प्रश्न)	111–121
14.	राजस्थान के लोक नृत्य	(190 प्रश्न)	122–132
15.	राजस्थान के लोक नाट्य	(105 प्रश्न)	133–138
16.	लोकगायन शैलियाँ, संगीत घराने व प्रमुख संगीतज्ञ	(120 प्रश्न)	139–145
17.	राजस्थान के लोकगीत	(115 प्रश्न)	146–150
18.	राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र	(130 प्रश्न)	151–157
19.	राजस्थान के आभूषण	(120 प्रश्न)	158–163
20.	राजस्थान की वेशभूषा व पहनावा	(125 प्रश्न)	164–169
21.	राजस्थान की प्रथाएँ व रीति रिवाज	(120 प्रश्न)	170–175
22.	राजस्थान की जनजातियाँ	(205 प्रश्न)	176–185
23.	राजस्थानी भाषा व बोलियाँ	(110 प्रश्न)	186–190
24.	राजस्थान के प्रमुख साहित्यकार व पुस्तकें	(385 प्रश्न)	191–210
25.	राजस्थान के प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ	(60 प्रश्न)	211–213
26.	राजस्थान की साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएँ	(70 प्रश्न)	214–217
27.	राजस्थान के प्रमुख संग्रहालय	(70 प्रश्न)	218–221
28.	राजस्थानी शब्दावली	(90 प्रश्न)	222–225
29.	राजस्थान में डाकटिकट	(52 प्रश्न)	226–228

1 राजस्थान के दुर्ग

1. ''मैंने इतना मजबूत व सुरक्षित किला पूरे हिन्दूस्तान में कहीं नहीं देखा।'' तैमूर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक ए तैमूरी' में ये पंक्तियाँ राजस्थान के किस दुर्ग के लिए कही गई है ?
(1) भटनेर का दुर्ग (2) चित्तौड़गढ़ का दुर्ग
(3) रणथम्भौर का दुर्ग (4) मेहरानगढ़ (1)

व्याख्या– तैमूर लंग ने 1398 ई. में भटनेर पर आक्रमण किया था, उस समय हिन्दू महिलाओं के साथ मुस्लिम महिलाओं ने जौहर किया था।

2. राजस्थान का वैल्लोर के नाम से जाना जाने वाला किला कौनसा है ?
(1) नाहरगढ़ (2) भैंसरोड़गढ़
(3) कुंभलगढ़ (4) चित्तौड़गढ़ (2)

3. कटारगढ़ किस किले में स्थित है
(1) कुंभलगढ (2) चितौड़गढ़ (3) मेहरानगढ़ (4) तारागढ़(1)

व्याख्या– कटारगढ़ नामक अन्त:दुर्ग कुम्भलगढ़ किले में सबसे ऊपरी भाग में एक पहाड़ी पर स्थित है, बादल महल इसी का एक भाग है।

4. निम्न में से कौनसा भवन चितौड़गढ़ किले में स्थित नहीं है–
(1) नवलखा भंडार (2) शृंगार चंवरी
(3) सतबीस देवरी (4) चोखेलाव महल (4)

व्याख्या– चोखेलाव महल जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में स्थित है।

5. राजस्थान के किस किले में स्थित माधवेन्द्र भवन में 'स्कल्पचर पार्क' बना है?
(1) आमेर का किला (2) नाहरगढ़ किला
(3) जयगढ़ किला (4) अलवर का किला (2)

व्याख्या– नाहरगढ़ किले में स्थित माधवेन्द्र भवन में 'स्कल्पचर पार्क' बना है, जिसमें पत्थर से बनी विभिन्न कलाकृतियाँ दर्शनीय हैं।

6. माधोराजपूरा का किला किस जिले में स्थित है?
(1) जयपुर (2) अलवर (3) दौसा (4) भरतपुर (1)

7. अलाउद्दीन खिलजी ने निम्न में से किस दुर्ग पर आक्रमण नहीं किया ?
(1) चितौड़गढ़ (2) रणथम्भौर
(3) कुंभलगढ़ (4) जालौर दुर्ग (3)

व्याख्या– अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर किले पर 1301 ई. में, चित्तौड़गढ़ पर 1303 ई. में तथा जालौर दुर्ग पर 1311 ई. में आक्रमण किया था।

8. महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश संग्रहालय किस दुर्ग में है?
(1) चितौड़गढ़ (2) मेहरानगढ़
(3) कुंभलगढ़ (4) जालौर दुर्ग (2)

9. निम्नलिखित युग्मों को सही सुमेलित कीजिये –

किला	पहाड़ी
(क) सोनारगढ़	1. मेसा पठार
(ख) मेहरानगढ़	2. त्रिकूट पहाड़ी
(ग) तारागढ़	3. चिडियाटूंक पहाड़ी
(घ) चित्तौड़गढ़	4. बीठली पहाड़ी

	क	ख	ग	घ	
(1)	3	2	4	1	
(2)	2	3	4	1	
(3)	2	3	1	4	
(4)	2	4	1	3	(2)

10. किस किले के संबंध में कहा जाता है कि 'इसका निर्माण फरिश्ते, परियों और देवताओं की करामात है।'–
(1) मेहरानगढ़ (2) तारागढ़
(3) नागौर का किला (4) भटनेर का किला (1)

व्याख्या– प्रसिद्ध विदेशी लेखक रूडयार्ड किपलिंग ने लिखा है कि '' इस दुर्ग का निर्माण परियों और देवताओं द्वारा किया गया है।''

11. राजस्थान में चितौड़गढ़ के बाद दूसरा सबसे बड़ा लिविंग फोर्ट कौनसा है ?
(1) जूनागढ दुर्ग (2) मेहरानगढ़
(3) स्वर्णगिरी (4) कुंभलगढ़ (3)

व्याख्या– राजस्थान का सबसे बड़ा लिविंग फोर्ट (आवासीय किला) चित्तौड़गढ़ है, इसके बाद दूसरा बड़ा लिविंग फोर्ट जैसलमेर किला है।

12. वीर अमरसिंह राठौड़ की शौर्य गाथाएँ किस किले से संबधित हैं ?
(1) मेहरानगढ़ (2) नागौर का किला
(3) कुम्भलगढ़ (4) तारागढ़ (2)

13. निम्नलिखित में से कौनसा दुर्ग अरावली पर्वतमाला पर स्थित नहीं है?
(1) गागरोन का किला (2) रणथम्भौर
(3) कुंभलगढ़ (4) चितौड़गढ़ (1)

व्याख्या– गागरोन का किला विंध्याचल पर्वतमाला की चट्टान पर स्थित है।

14. निम्न में से कौनसा किला अजमेर में नहीं है ?
(1) बनेड़ा दुर्ग (2) टॉडगढ़
(3) तारागढ़ (4) मैगजीन दुर्ग (1)

व्याख्या– बनेड़ा का किला भीलवाड़ा जिले में है।

15. महमूद खिलजी प्रथम ने राजस्थान के किस किले में एक कोट का निर्माण करवा कर उसका नाम मुस्तफाबाद रखा था ?
(1) गागरोन दुर्ग (2) रणथम्भौर किला
(3) धौलपुर का किला (4) सिवाणा का किला (1)

16. नाहरगढ़ दुर्ग में एक जैसे नो महलों का निर्माण किसने करवाया था ?
(1) सवाई जयसिंह (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) ईश्वरी सिंह (4) माधोसिंह द्वितीय (4)

व्याख्या– जयपुर के शासक सवाई माधोसिंह द्वितीय ने अपनी 9 रानियों के नाम पर नाहरगढ़ किले में एक जैसे 9 महलों का निर्माण करवाया, जो 'माधवेन्द्र भवन' कहलाता है।

17. अलवर का किला अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(1) गढ़ मीठड़ी (2) बाला दुर्ग
(3) भूतहा किला (4) अजबगढ़ (2)

2 राजस्थान के महल, पैलेस व स्मारक

1. किसे 'भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष' कहा जाता है?
(1) कीर्तिस्तम्भ (2) विजयस्तम्भ
(3) सरगासूली (4) जवाहर बुर्ज (2)

2. निम्न में से कौनसी ईमारत जयपुर के सिटी पैलेस में नहीं है?–
(1) मुबारक महल (2) कदमी महल
(3) चन्द्र महल (4) पोथी खाना (2)

व्याख्या– कदमी महल जयपुर के सिटी पैलेस में नहीं है, कदमी महल आमेर किले में स्थित हैं।

3. हाड़ी रानी का महल कहाँ पर स्थित है?
(1) देवगढ़ (राजसमंद) (2) गोगुन्दा (उदयपुर)
(3) सलुम्बर (उदयपुर) (4) नागदा (उदयपुर) (3)

4. जगमंदिर महल उदयपुर की किस झील के मध्य स्थित है?
(1) पिछोला (2) फतेहसागर
(3) स्वरूपसागर (4) उदयसागर (1)

5. ओखा रानी का महल कहाँ पर स्थित है?
(1) राजसमंद (2) उदयपुर (3) सिरोही (4) जोधपुर (3)

व्याख्या– ओखा रानी का महल अचलगढ़ किले में है।

6. जूना महल कहाँ स्थित है?
(1) राजसमंद (2) बीकानेर
(3) बारां (4) डूँगरपुर (4)

7. डूँगरपुर में बना बादल महल किस झील के मध्य बना है?
(1) फूलसागर (2) छत्रविलास तालाब
(3) गैप सागर (4) उदयसागर (3)

व्याख्या– बादल महल का निर्माण महारावल पुंजराज द्वारा करवाया गया था।

8. 'हाड़ौती का ताजमहल' किसे कहा जाता है?
(1) जगमंदिर महल (2) अभेड़ा महल
(3) बादल महल (4) अबला मीणी का महल (4)

9. अभेड़ा महल कहाँ स्थित है?
(1) कोटा (2) बूँदी (3) बारां (4) झालावाड़ (1)

10. डीग के जल महलों में सर्वाधिक निर्माण किस शासक ने करवाये थे ?
(1) सूरजमल (2) बदनसिंह
(3) जवाहर सिंह (4) रणजीत सिंह (1)

व्याख्या– डीग के जलमहलों का निर्माण बदनसिंह ने प्रारम्भ करवाया था परन्तु इन जल महलों में सर्वाधिक निर्माण महाराजा सूरजमल ने 1755 से 1763 ई. के मध्य करवाए थे।

11. विजयमंदिर पैलेस कहाँ स्थित है?
(1) कोटा (2) झालावाड़
(3) भरतपुर (4) अलवर (4)

व्याख्या– विजयमंदिर पैलेस अलवर शहर से 11 किमी दूर स्थित है। यह पैलेस विजयसागर झील के किनारे स्थित है। यहाँ पर सीताराम का भव्य मंदिर बना है।

12. हवामहल का निर्माण कब करवाया गया था?
(1) 1799 (2) 1699 (3) 1899 (4) 1793 (1)

व्याख्या– हवामहल का निर्माण 1799 ई. में सवाई प्रतापसिंह ने करवाया था।

13. जयपुर स्थित हवामहल का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
(1) माधोसिंह द्वितीय (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) ईश्वरी सिंह (4) सवाई जयसिंह (2)

14. जयपुर स्थित मुबारक महल के निर्माता कौन थे ?
(1) माधोसिंह द्वितीय (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) ईश्वरी सिंह (4) सवाई जयसिंह (1)

व्याख्या– इसका निर्माण माधोसिंह द्वितीय ने 1900 ई. में अतिथियों को ठहराने के लिए सर सैम्यूल स्विंटन जैकब की देखरेख में करवाया था।

15. जयपुर स्थित जलमहल के निर्माता कौन थे ?
(1) माधोसिंह द्वितीय (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) ईश्वरी सिंह (4) सवाई जयसिंह (4)

16. अल्बर्ट हॉल (जयपुर) के वास्तुकार थे?
(1) लालचन्द उस्ता (2) सैम्यूल स्विन्टन जैकब
(3) एडवर्ड ब्रेडफोर्ड (4) ए.एच. मूलर (2)

17. अल्बर्ट हॉल (जयपुर) के सामने वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शपथ कब ग्रहण की थी?
(1) 10 दिसम्बर 2018 (2) 17 दिसम्बर 2018
(3) 22 दिसम्बर 2018 (4) 28 दिसम्बर 2018 (2)

18. निम्न में से अल्बर्ट हॉल (जयपुर) के निर्माता कौन है?
(1) माधोसिंह द्वितीय (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) ईश्वरी सिंह (4) रामसिंह द्वितीय (4)

19. खेतड़ी महल कहाँ पर स्थित है?
(1) बिसाउ (2) नवलगढ़ (3) झुंझुनूं (4) खेतड़ी (3)

व्याख्या– ध्यान रहे यह महल खेतड़ी में नहीं है, झुंझुनूं में स्थित है। इसका निर्माण खेतड़ी के महाराजा भोपालसिंह ने 1770 ई. में ग्रीष्म ऋतु में विश्राम हेतु झुंझुनूं में करवाया था।

20. तीन मंजिला बना हुआ एक थम्बा महल कहाँ पर स्थित है?
(1) निम्बाहेड़ा (चितौड़गढ) (2) आहड़ (उदयपुर)
(3) डूँगरपुर (4) मंडोर (जोधपुर) (4)

21. 'राजस्थान का ताजमहल' के नाम से किसे जाना जाता है?
(1) काकाजी की दरगाह (2) अबला मीणी का महल
(3) तलहटी महल (4) जसवंत थड़ा (4)

व्याख्या– जसवंत थड़ा का निर्माण सरदार सिंह ने 1906 ई. में अपने पिता जसवंत सिंह द्वितीय की याद में करवाया था।

22. अजमेर स्थित 'अढ़ाई दिन का झौपड़ा' को किसने संस्कृत पाठशाला से मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था?
(1) मोहम्मद गारी (2) इल्तुतमिश
(3) कुतुबुद्दीन ऐबक (4) शेरशाह सूरी (3)

23. अजमेर स्थित मेयो कॉलेज की स्थापना कब की गई थी?
(1) 1870 (2) 1879 (3) 1899 (4) 1875 (4)

3 राजस्थान की हवेलियाँ

1. नादिन ला प्रिन्स हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) लक्ष्मणगढ़ (2) श्रीमाधोपुर
(3) फतेहपुर (4) रामगढ़ (3)

2. पंसारी हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) लक्ष्मणगढ़ (सीकर) (2) श्रीमाधोपुर (सीकर)
(3) सीकर (4) रामगढ़ (सीकर) (2)

3. केसरी सिंह बारहठ की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) शाहपुरा (भीलवाड़ा) (2) डीग (भरतपुर)
(3) सलूम्बर (उदयपुर) (4) कैथून (कोटा) (1)

4. रामपुरियों की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) नागौर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) जोधपुर (3)

व्याख्या– रामपुरिया की हवेली के स्थापत्य में बीकानेर मुगल, हिन्दु और युरोपीय कला का अद्भुत समन्वय है।

5. पटवों की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) अलवर (4) कोटा (2)

6. नाहटों की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) सरदारशहर (चुरू) (2) मंडावा (झुंझुनूं)
(3) रामगढ़ (सीकर) (4) करौली (1)

7. भामाशाह की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) चितौड़गढ़ (2) जैसलमेर
(3) बीकानेर (4) पाली (1)

8. बागोर की हवेली का निर्माण किसने करवाया था?
(1) मोहनसिंह मेहता (2) अमरचंद बड़वा
(3) उदयसिंह (4) जगतसिंह द्वितीय (2)

व्याख्या– इसका निर्माण मेवाड़ के प्रधानमंत्री रहे अमरचंद बड़वा ने करवाया था, यह हवेली पिछोला झील के किनारे गणगौर घाट के पास बनी है। इसमें 138 कमरे व बरामदे बने हैं।

9. झाला जालिम सिंह की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) बूँदी (2) रणथम्भौर
(3) अलवर (4) कोटा (4)

10. नथमल की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर (3) बीकानेर (4) कोटा (2)

11. नाथुराम पोद्दार की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) बिसाऊ (2) नवलगढ़ (3) मंडावा (4) महनसर (1)

12. सोने चाँदी की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) झुंझुनूं (2) नवलगढ़ (3) मंडावा (4) महनसर (4)

13. रामनाथ गोयनका की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) बिसाऊ (2) चिड़ावा (3) मंडावा (4) महनसर (3)

14. टीबड़ेवालों की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) झुंझुनूं (2) नवलगढ़
(3) मंडावा (4) मुकुन्दगढ़ (1)

15. निम्न में से कौनसी हवेली बिसाऊ में स्थित नहीं है?
(1) सेठ जयदयाल केडिया की हवेली
(2) नाथुराम पोद्दार की हवेली
(3) सीताराम सिगतिया की हवेली
(4) ईसरदास मोदी की हवेली (4)

व्याख्या– ईसरदास मोदी की हवेली झुंझुनूं में स्थित है, यह 100 से अधिक खिड़कियों के लिए प्रसिद्ध है।

16. निम्न में से कौनसी हवेली जैसलमेर में स्थित नहीं है?
(1) नथमल की हवेली (2) सालिमसिंह की हवेली
(3) पटवों की हवेली (4) बाफना हवेली (4)

व्याख्या– बाफना हवेली उदयपुर में है।

17. बादशाह हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) अजमेर (2) भरतपुर (3) अलवर (4) करौली (1)

18. चार चौक हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) लक्ष्मणगढ़ (सीकर) (2) श्रीमाधोपुर(सीकर)
(3) फतेहपुर (सीकर) (4) रामगढ़ (सीकर) (1)

19. डालमियाँ की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) बिसाऊ (झुंझुनूं) (2) चिड़ावा (झुंझुनूं)
(3) मंडावा (झुंझुनूं) (4) महनसर (झुंझुनूं) (2)

20. राजस्थान का कौनसा शहर 'हवेलियों की नगरी' कहलाता है?
(1) जैसलमेर (2) बीकानेर
(3) जयपुर (4) जोधपुर (1)

21. बागोर की हवेली कहाँ स्थित है?
(1) जैसलमेर (2) चित्तौड़गढ़
(3) जयपुर (4) उदयपुर (4)

व्याख्या– इस हवेली के एक हिस्से में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र संचालित है।

22. रत्नाकर भट्ट पुण्डरिक की हवेली स्थित है?
(1) उदयपुर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) जोधपुर (3)

23. ईसरदास मोदी की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) जयपुर (2) झुंझुनूं (3) चुरू (4) सीकर (2)

24. किस हवेली की एक कलात्मक खिड़की पर 1 जनवरी 2017 को 25 रुपये का डाकटिकट जारी हो चुका है?
(1) भामाशाह की हवेली (2) बागोर हवेली
(3) रामपुरिया की हवेली (4) नाहटो की हवेली (2)

व्याख्या– बागोर की हवेली के शीशे की खिड़की पर 1 जनवरी, 2017 को 25 रुपये का डाक टिकट जारी किया गया।

25. पोद्दार हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) नवलगढ़ (झुंझुनूं) (2) बिसाऊ (झुंझुनूं)
(3) मंडावा (झुंझुनूं) (4) मुकुन्दगढ़ (झुंझुनूं) (1)

26. राजस्थान का कौनसा शहर 'हजार हवेलियों की नगरी' कहलाता है?
(1) जैसलमेर (2) उदयपुर (3) बीकानेर (4) सिरोही (3)

27. सागरमल लाड़िया की हवेली स्थित है?
(1) महनसर (2) रामगढ़ (3) मंडावा (4) नवलगढ़ (3)

28. निम्न में से कौनसी हवेली में पगड़ियों का संग्रहालय संचालित है?
(1) बड़े मियाँ की हवेली (2) बागोर की हवेली
(3) बादशाह की हवेली (4) बाफना की हवेली (2)

29. अमरचन्द कोचर की हवेली कहाँ पर स्थित है?
(1) श्रीमाधोपुर (2) फतेहपुर
(3) चिड़ावा (4) फलौदी (4)

4 राजस्थान की छतरियाँ

1. नैड़ा की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) करौली (3)

2. जगन्नाथ कछवाहा की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) जयपुर (2) मांडल
(3) आमेर (4) शाहपुरा (2)

व्याख्या– आमेर के जगन्नाथ कछवाहा की 32 खम्भों की छतरी विशाल छतरी मांडल (भीलवाड़ा) में बनी है। जिसमें एक ही पत्थर से बना 5 फिट का शिवलिंग है, यह छतरी हिन्दू व मुस्लिम स्थापत्य का अनूठा उदाहरण है।

3. केसरबाग की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) अलवर (4) कोटा (1)

व्याख्या– बूँदी से 4–5 किमी दूर केसरबाग में बूँदी के शासकों व राजपरिवार के सदस्यों की 66 छतरियाँ बनी है, जिनमें सबसे प्राचीन छतरी राव दुदा की तथा सबसे नवीन छतरी महाराव विष्णुसिंह की है।

4. संत पीपा की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) टोडारायसिंह (2) समदड़ी
(3) झालावाड़ (4) गागरोन (4)

5. 84 खम्भों की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) बूँदी (2) रणथम्भौर
(3) अलवर (4) कोटा (1)

व्याख्या– 84 खम्भों की छतरी देवपुरा गाँव (बूँदी) में स्थित है। इसका निर्माण राव राजा अनिरूद्ध के काल में राव देवा द्वारा करवाया गया था।

6. जयमल राठौड़ की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) चितौड़गढ़ (4) मेड़ता (3)

7. सवाई ईश्वरी सिंह की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) करौली (1)

व्याख्या– जयपुर के सिटी पैलेस में जयनिवास उद्यान में सवाई ईश्वरी सिंह की छतरी का निर्माण सवाई माधोसिंह प्रथम ने करवाया था।

8. बन्जारे की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) लालसौट (दौसा) (2) डीग (भरतपुर)
(3) सरिस्का (अलवर) (4) हिंडौन (करौली) (1)

9. अलवर की 80 खम्भों की छतरी अन्य किस नाम से जानी जाती है?
(1) पालीवालों की छतरी (2) मुसी महारानी की छतरी
(3) विनयसिंह की छतरी (4) बख्तावर सिंह की छतरी (2)

व्याख्या– 80 खम्भों की छतरी अलवर में स्थित है। इसका निर्माण महाराजा विनय सिंह ने 1815 ई. में मुसी महारानी की स्मृति में करवाया था। यह दो मंजिला छतरी है।

10. महाराणा प्रताप की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) बाण्डोली (उदयपुर) (2) चावण्ड(उदयपुर)
(3) वलीचा (राजसमंद) (4) गोगुन्दा (उदयपुर) (1)

व्याख्या– उदयपुर में चावंड के निकट बाण्डोली में केजड़ बांध की पाल पर बनी है। इसका निर्माण महाराणा अमरसिंह प्रथम ने करवाया था।

11. महासतियों के नाम से जानी जाने वाली मेवाड़ के महाराणाओं की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) सिसारमा गाँव (2) कैलाशपुरी
(3) आहड़ (4) सज्जनगढ (3)

12. कागां की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) अलवर (4) कोटा (1)

13. मामा भान्जा की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) अटरू, बारां (2) पल्लू, हनुमानगढ़
(3) मचकुंड, धौलपुर (4) जोधपुर (4)

व्याख्या– ये धन्ना गहलोत और भीयां चौहान नामक वीरों की छतरी है, जो आपस में मामा–भान्जा थे। इन्होंने जोधपुर नरेश अजीतसिंह के प्रधानमंत्री मुकुंद चंपावत की हत्या का बदला ठाकुर प्रतापसिंह उदावत से लेकर स्वामीभक्ति का परिचय दिया तथा अपना आत्मबलिदान दिया था। उनकी स्मृति में महाराजा अजीतसिंह ने इस 10 खम्भों की छतरी का निर्माण मेहरानगढ़ दुर्ग मे लोहापोल के पास करवाया था।

14. पंचकुंड की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) पुष्कर (अजमेर) (2) पल्लू (हनुमानगढ़)
(3) मचकुंड (धौलपुर) (4) मंडोर (जोधपुर) (4)

व्याख्या– मंडोर के पास पंचकुंड नामक स्थान पर जोधपुर की रानियों की 49 छतरियाँ बनी हैं, इसमें रानी सूर्य कंवरी की 32 खंभों की छतरी सबसे बड़ी है।

15. बीकानेर के शासकों की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) देवी कुण्ड (2) गेटोर
(3) बड़ाबाग (4) गजनेर (1)

16. अमरसिंह राठौड़ की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) नागौर (4) मेड़ता (3)

व्याख्या– नागौर दुर्ग में अमरसिंह राठौड़ की 16 खम्भों की छतरी बनी हुई है।

17. जोगीदास की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) उदयपुरवाटी (2) परसरामपुरा
(3) कोलायत (4) मेड़ता (1)

व्याख्या– यह छतरी शेखावटी शैली के प्राचीनतम भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध है। इसका चित्रकार देवा नामक एक चित्रकार था।

18. राव जैतसी की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) हनुमानगढ़ (2) जैसलमेर
(3) साहवा (4) मेड़ता (1)

5 राजस्थान में जल स्थापत्य

1. राजस्थान में बावड़ियों का शहर किसे कहा जाता है?
(1) अलवर (2) जयपुर
(3) बूँदी (4) भरतपुर (3)

2. निम्न में से दूध बावड़ी कहाँ स्थित है?
(1) नाडोल (2) ओसियां
(3) रूणिचा (4) माऊंट आबू (4)

व्याख्या– यह बावड़ी माऊंट आबू में अधरदेवी मंदिर की तलहटी में स्थित है, इसका पानी दूध जैसा सफेद है।

3. उदय बावड़ी कहाँ स्थित है?
(1) डूँगरपुर (2) बाँसवाड़ा
(3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़ (1)

4. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूटों में से सही कूट का चयन कीजिए–

जिले	बावड़ियाँ
(A) उदयपुर	(1) घोसुण्डा बावड़ी
(B) चित्तौड़गढ़	(2) त्रिमुखी बावड़ी
(C) बूँदी	(3) शाही बावड़ी
(D) धौलपुर	(4) भावल देवी बावड़ी

कूट :

	A	B	C	D
(1)	2	1	4	3
(2)	1	2	3	4
(3)	1	3	2	4
(4)	2	4	1	3

(1)

5. लम्बी बावड़ी स्थित है–
(1) धौलपुर में (2) करौली में
(3) अलवर में (4) कोटा में (1)

6. निम्न में से खेतानों की बावड़ी किस जिले में स्थित है?
(1) बीकानेर (2) सीकर
(3) झुंझुनूं (4) चुरू (3)

7. राजस्थान में सर्वाधिक बावड़ियाँ किन जिलों में स्थित है?
(1) बूँदी व अलवर (2) जोधपुर व जालौर
(3) जयपुर व भरतपुर (4) जोधपुर व नागौर (2)

व्याख्या– राजस्थान में सर्वाधिक बावडियाँ जोधपुर व जालौर में लगभग 700–800 है।

8. निम्न में से कौनसा कथन सत्य है–
(1) झालरा बावड़ी सीकर में स्थित है।
(2) फूल बावड़ी छोटी खाटू (नागौर) में स्थित है।
(3) तापी बावड़ी नागौर में स्थित है।
(4) कथन 1 व 2 दोनों सत्य है। (4)

व्याख्या– तापी बावड़ी जोधपुर में स्थित है।

9. अनारकली की बावड़ी का निर्माण किसने करवाया–
(1) प्रिमल देवी (2) अनारकली
(3) भावल देवी (4) नाथावत (2)

व्याख्या– यह बावड़ी छत्रपुरा (बूँदी) में स्थित है, इसका निर्माण रानी नाथावत की दासी अनारकली ने करवाया था।

10. प्रसिद्ध रानी जी की बावड़ी किस जिले में स्थित है–
(1) दौसा में (2) बूँदी में
(3) अलवर में (4) टोंक में (2)

व्याख्या– इस बावड़ी का निर्माण राव राजा अनिरूद्ध सिंह की विधवा रानी नाथावत जी ने 1699 ई. में अपने पुत्र बुद्धसिंह के शासनकाल में करवाया था।

11. सेठानी का जोहड़ा कहाँ स्थित है–
(1) चुरू (2) सीकर
(3) बीकानेर (4) झुंझुनूं (1)

12. निम्न में से कौनसी बावड़ी जोधपुर में स्थित नहीं है–
(1) चाँद बावड़ी (2) एंजन बावड़ी
(3) कांतन बावड़ी (4) ख्वाजा बावड़ी (4)

व्याख्या– ख्वाजा की बावड़ी टोंक में स्थित है।

13. मेड़तणी की बावड़ी किस जगह पर स्थित है–
(1) जयपुर (2) झुंझुनूं
(3) चुरू (4) सीकर (2)

14. निम्न में से असत्य कथन का चयन कीजिए–
(1) पन्ना मीणा की बावड़ी–जयपुर
(2) चाँद बावड़ी–जोधपुर
(3) नागर सागर कुण्ड–बूँदी
(4) उदय बावड़ी–उदयपुर (4)

व्याख्या– उदय बावड़ी डूँगरपुर में स्थित है।

15. बड गाँव की बावड़ी कहाँ स्थित है?
(1) कोटा (2) झालावाड़
(3) बूँदी (4) बारां (1)

16. निम्न में सत्य है–
(1) नौलखा बावड़ी–डूँगरपुर (2) दूध बावड़ी–उदयपुर
(3) पर्चा बावड़ी–बाड़मेर (4) डाकणिया बावड़ी–अलवर (1)

व्याख्या– दूध बावड़ी माऊंट आबू में है, पर्चा बावड़ी रूणेचा में है तथा डाकणिया बावड़ी लवाण (दौसा) में है।

17. निम्न में से जोधपुर जिले में स्थित नहीं है–
(1) तापी बावड़ी (2) उदय बावड़ी
(3) हरबोला की बावड़ी (4) सुगंदा की बावड़ी (2)

व्याख्या– उदय बावड़ी डुंगरपुर में स्थित है जिसका निर्माण महारावल उदयसिंह ने करवाया था।

18. बाई राज की बावड़ी किस स्थान पर स्थित है–
(1) बनेड़ा (भीलवाड़ा) (2) नाडोल (पाली)
(3) ओसियां (जोधपुर) (4) शाहपुरा (भीलवाड़ा) (1)

6 राजस्थान के लोकदेवता

1. रामदेवजी के भोपे किस जाति के होते हैं?
(1) थोरी (2) सहरिया
(3) कामड़ (4) तँवर (3)

2. मीणा जनजाति के लोग किसकी झूठी कसम नहीं खाते है?
(1) केसरिया नाथ (2) भूरिया बाबा
(3) हाकिम राजा (4) मावजी की (2)

3. असंगत छांटिये –
(1) पाबूजी की फड़ – रावण हत्था वाद्ययंत्र
(2) देवजी की फड़ – जंतर वाद्य यंत्र
(3) गोगाजी की फड़ – डेरू वाद्य यंत्र
(4) रामदेवजी की फड़ – इकतारा वाद्य यंत्र (4)

व्याख्या– रामदेव जी की फड़ का सर्वाधिक वाचन जैसलमेर व बीकानेर जिलों में होता है। नायक या कामड़ जाति के भोपे रावणहत्था वाद्ययंत्र के साथ रामदेव जी की फड़ का वाचन करते हैं।

4. 'ऊँटों के देवता' है –
(1) तेजाजी (2) पाबुजी
(3) हड़बु जी (4) मेहा जी (2)

5. किस लोक देवता की आराधना में 'माठ'/'माटे' नामक वाद्ययंत्र बजाते है–
(1) रामदेवजी (2) तेजाजी
(3) पाबूजी (4) गोगाजी (3)

व्याख्या– रेबारी या थोरी जाति के लोगों द्वारा माठ/माटा वाद्ययंत्र के साथ पाबूजी के पवाड़े गाये जाते हैं।

6. कौनसे लोकदेवता मारवाड़ के पंचपीरों में शामिल नहीं है ?
(1) रामदेवजी (2) तेजाजी
(3) पाबूजी (4) गोगाजी (2)

व्याख्या– मारवाड़ के पंच पीरों में गोगाजी, पाबूजी, मेहाजी, हड़भूजी व रामदेव जी शामिल हैं।

7. 'कायम खाँ रासो' पुस्तक में राजस्थान के किस लोकदेवता का वर्णन है?
(1) देवनारायण जी (2) तेजाजी
(3) रामदेव जी (4) गोगाजी (4)

व्याख्या– इस पुस्तक की रचना जान कवि ने की है।

8. पाबूजी की जीवनी ' पाबू प्रकाश' के रचयिता हैं?
(1) उगम जी (2) बीठू सुजा
(3) आशिया मोड जी (4) लधराज (3)

9. किस लोकदेवता की बाँसवाड़ा में सर्वाधिक मान्यता है
(1) रामदेवजी (2) तेजाजी
(3) पाबूजी (4) कल्ला जी (4)

व्याख्या– कल्ला जी की सर्वाधिक मान्यता बाँसवाड़ा में है। (यहाँ इनके लगभग 200 मंदिर है।) इनके थान पर भूत–पिशाच ग्रस्त लोगों व रोगी पशुओं का इलाज होता है।

10. 'शेषनाग का अवतार' किस लोक देवता को कहते हैं ?
(1) पाबुजी (2) कल्लाजी
(3) मेहाजी (4) रामदेव जी (2)

11. 'देवजी की फड़' बांचते समय कौनसा वाद्य यंत्र बजाया जाता है?
(1) रावण हत्था (2) अलगोजा (3) जंतर (4) भपंग (3)

12. कौनसे लोकदेवता ने परावर्तन आन्दोलन चलाया था?
(1) पाबुजी (2) कल्लाजी
(3) मेहाजी (4) रामदेव जी (4)

व्याख्या– रामेदव जी ने हिन्दू धर्म के शुद्धिकरण के लिए परावर्तन /शुद्धिकरण आन्दोलन चलाया था।

13. राजस्थान के लोकदेवताओं में सबसे लम्बा गीत किसका माना जाता है?
(1) पाबुजी (2) गोगाजी
(3) देवनारायण जी (4) रामदेव जी (4)

14. किस लोकदेवता के पुत्र केसरिया कुंवर भी लोकदेवता की तरह पूजे जाते हैं?
(1) रामदेवजी (2) तेजाजी
(3) पाबूजी (4) गोगाजी (4)

15. पाबूजी के गुरु का नाम है?
(1) उगम जी भाटी (2) समरथ भारती
(3) बालीनाथ (4) जालन्धरनाथ (2)

16. कौनसे लोकदेवता ने जोधपुर के शेरगढ़ ठिकाने पर शासन किया था?
(1) मल्लीनाथ जी (2) तल्लीनाथ जी
(3) पाबूजी (4) कल्ला जी (2)

व्याख्या– तल्लीनाथ जी को जालौर के लोकदेवता/प्रकृति प्रेमी लोकदेवता उपनाम से जाना जाता है। इनका मुख्य मंदिर पंचमुखी पहाड़ पाँचोटा गाँव (जालौर) में स्थित है।

17. शेखावाटी के लोकदेवता के रूप में माने जाने वाले जवाहर जी को बीकानेर के किस शासक ने शरण दी थी ?
(1) सरदार सिंह (2) सार्दुलसिंह
(3) रतनसिंह (4) गंगासिंह (3)

18. वीर बिग्गाजी की सर्वाधिक मान्यता किस जिले में है?
(1) नागौर (2) बीकानेर
(3) हनुमानगढ़ (4) चुरू (2)

19. पाबूजी को किसका अवतार माना जाता है?
(1) लक्ष्मण का (2) राम का
(3) हनुमान का (4) विष्णु का (1)

20. डूँगरजी व जवाहरजी बठोठ–पाटोटा के रहने वाले कच्छवाहा वंशीय राजपूत थे, ये स्थान किस जिले में स्थित है?
(1) बीकानेर (2) सीकर
(3) जयपुर (4) नागौर (2)

21. किस लोक देवता के मंदिर की बनावट मकबरानुमा है?
(1) रामदेव जी (2) कल्ला जी
(3) तेजाजी (4) गोगाजी (4)

व्याख्या– गोगाजी के गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) स्थित मंदिर की बनावट मकबेसुमा है। इस गोगामेड़ी का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था तथा इसका वर्तमान स्वरूप बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने बनवाया था।

7 राजस्थान की लोकदेवियाँ

1. करौली में कैला देवी मंदिर का निर्माण किसने करवाया था ?
(1) मदन सिंह (2) गोपाल सिंह
(3) जय सिंह (4) उदयभान सिंह (2)

व्याख्या– इस मंदिर का निर्माण 1900 ई. में करौली के महाराजा गोपाल सिंह ने करवाया। इसके मंदिर में दो मुर्तियाँ हैं दाहिनी तरफ कैला देवी की मूर्ति है जिन्हें लक्ष्मी नाम से भी जाना जाता है। बांयी तरफ चामुण्डा माता की मूर्ति है।

2. सीकर में जीण माता मंदिर का निर्माण किसने करवाया था ?
(1) राजा हट्टड़ (2) अल्लट
(3) महाराव लाखन सिंह (4) शिव सिंह (1)

व्याख्या– इस मंदिर का निर्माण चौहान शासक पृथ्वीराज प्रथम के शासनकाल में राजा हट्टड़ ने 1064 ई. में करवाया था।

3. कौनसी लोकदेवी के मंदिर में विश्व का सबसे बड़ा चाँदी का दीपक रखा गया है?
(1) शीतला माता (2) जीण माता
(3) करणी माता (4) शीला देवी (3)

4. कौनसी लोकदेवी के मंदिर में पहले नरबलि व बाद में छागबलि देने की परम्परा थी, जो वर्तमान में बंद है ?
(1) नागणेची माता (2) जीण माता
(3) करणी माता (4) शीला देवी (4)

5. शीतला माता का मंदिर (चाकसु, जयपुर) का निर्माण जयपुर के किस शासक ने करवाया था?
(1) माधोसिंह द्वितीय (2) माधोसिंह प्रथम
(3) जयसिंह प्रथम (4) सवाई जयसिंह (2)

व्याख्या– शीतला माता मंदिर का निर्माण सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा शील डूंगरी पर करवाया गया था।

6. किस लोकदेवी ने 11 नियम बनाये थे, आज भी उनके अनुयायी उन 11 नियमों का पालन करते हुये हाथ या गले में 11 गांठो वाली बेल बाँधते है?
(1) आई माता (2) जीण माता
(3) करणी माता (4) हिगलाज देवी (1)

7. किस लोकदेवी का मंदिर जैसलमेर में गजरूपसागर झील के पास बना है?
(1) स्वांगिया माता (2) भादरिया राय
(3) सच्चियाय माता (4) घटियाला माता (1)

8. जैसलमेर की किस लोकदेवी ने तीन चुल्लू आचमन से हाकड़ा समुद्र को सोख लिया था, जिससे आसपास की भूमि रेगिस्तान में तब्दील हो गई ?
(1) स्वांगिया माता (2) भादरिया राय
(3) सच्चियाय माता (4) तेमड़ेराय (4)

व्याख्या– तेमड़ेराय को भाटी वंश की इष्ट देवी माना जाता है। इन्हें 'तेमडाताई' के नाम से भी जाना जाता है।

9. नागणेची माता की प्रतिमा किस शासक के समय कर्नाटक से लाई गई थी ?
(1) राव धूहड़ (2) राव चूंडा
(3) राव जोधा (4) राव बीका (1)

व्याख्या– मारवाड़ के राठौड़ वंश के संस्थापक राव सीहा के पौत्र एवं आसनाथ के पुत्र राव धूहड़ के समय यह प्रतिमा कर्नाटक से लाकर नगाणा गाँव (बाड़मेर) में स्थापित करवाई गई थी। नगाणा गाँव के नाम से देवी का नाम 'नागणेची' पड़ा।

10. शांकभरी के शासक वाक्यपतिराज के पुत्र महाराव लाखणसी (लक्ष्मण) ने नाडोल में किस देवी का मंदिर बनवाया था?
(1) आशापुरा माता (2) शाकंभरी माता
(3) आवड़ माता (4) हिंगलाज देवी (1)

व्याख्या– आशापुरा माता का एक मंदिर पोकरण (जैसलमेर) में भी है।

11. किस देवी के मंदिर के बारे में माना जाता है कि पूर्व में यह मंदिर सूर्य को समर्पित था ?
(1) बाण माता (2) कालिका माता
(3) बिरवड़ी माता (4) हिंगलाज देवी (2)

व्याख्या– मूलतः यह मंदिर सूर्य को समर्पित प्राचीन मंदिर था, जिसकी प्रतिमा मुस्लिम आक्रांताओं ने नष्ट कर दी थी। बाद में महाराणा सज्जनसिंह ने इसका जीर्णोद्धार करवा कर इसमें कालिका माता की प्रतिमा स्थापित करवा दी।

12. महाराणा कुम्भा ने महमूद खिलजी को हराने के बाद किस देवी के मंदिर का निर्माण करवाया था ?
(1) बाण माता (2) कुशाला माता
(3) बिरवड़ी माता (4) इडाणा माता (2)

व्याख्या– महाराणा कुम्भा ने 1457 ई. में बैराठगढ़ (बदनौर) के युद्ध में महमूद खिलजी प्रथम को हराया था, इस विजय के उपलक्ष में कुम्भा ने बदनौर (भीलवाड़ा) में कुशाला माता का मंदिर बनवाया।

13. कौनसी देवी 1857 की क्रांति की देवी कही जाती है ?
(1) मरकंडी माता (2) शाकंभरी माता
(3) सुगाली माता (4) त्रिपुरा सुंदरी (3)

व्याख्या– यह देवी 1857 के स्वाधीनता संग्राम में क्रान्तिकारियों की प्रेरणास्त्रोत रही है। अतः इसे 1857 की क्रान्ति की देवी भी कहा जाता है।

14. कौनसी देवी 'उल्लास की देवी' भी कहलाती है ?
(1) महोदरी माता (2) शाकंभरी माता
(3) ज्वाला माता (4) हर्षद् माता (4)

व्याख्या– हर्षद् माता के मंदिर का निर्माण राजा चाँद ने 8वीं शताब्दी में करवाया था। यह मंदिर प्रतिहार कालीन है।

15. पांचाल जाति की कुल देवी हैं ?
(1) त्रिपुरा सुंदरी (2) सुन्धा माता
(3) चौथ माता (4) विरात्रा माता (1)

16. जिलाणी माता का मंदिर स्थित है ?
(1) बहरोड़ (अलवर) (2) बहतु कलां (अलवर)
(3) नीमराना (अलवर) (4) भिवाड़ी (अलवर) (1)

8 राजस्थान के सम्प्रदाय व संत

1. हवेली संगीत का सम्बन्ध किस सम्प्रदाय से है?
(1) वल्लभ सम्प्रदाय (2) निम्बार्क सम्प्रदाय
(3) गौडीय सम्प्रदाय (4) रसिक सम्प्रदाय (1)

2. राजस्थान के कौनसे संत 'कलियुग का वाल्मिकी' कहलाते हैं ?
(1) रामचरणदास (2) नवलदास
(3) हरिदास जी (4) दादुदयाल (3)

व्याख्या– संत हरिदास निरंजनी सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे। इन्हें कलियुग का वाल्मिकी कहा जाता है।

3. संत रामचरण जी द्वारा रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना कब की थी ?
(1) 1660 ई. (2) 1760 ई.
(3) 1860 ई. (4) 1960 ई. (2)

व्याख्या– रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना 1760 ई. में की गई। इस सम्प्रदाय में राम की भक्ति रामधुन के माध्यम से करते है। प्रार्थना स्थल को रामद्वारा कहते है। जहाँ गुरु का चित्र सामने रखा होता है क्योंकि इस सम्प्रदाय में गुरु के महत्व पर सर्वाधिक बल दिया जाता है।

4. निम्न में से कौनसा मंदिर वल्लभ सम्प्रदाय की प्रथम पीठ कहलाती है?
(1) मथुरेश मंदिर (कोटा)
(2) गोकुलचन्द्र जी कामां (भरतपुर)
(3) श्रीनाथ मंदिर (नाथद्वारा)
(4) द्वारकाधीश मंदिर (कांकरोली) (1)

5. 'श्रीकृष्णम् शरणं गमः' मंत्र किस सम्प्रदाय का है?
(1) वल्लभ सम्प्रदाय (2) निम्बार्क सम्प्रदाय
(3) गौड़ीय सम्प्रदाय (4) रसिक सम्प्रदाय (1)

6. राजस्थान का वह लोकसंत जिनके चमत्कारों से प्रभावित होकर दिल्ली सुल्तान सिकन्दर लोदी ने भू–दान किया था?
(1) जाम्भोजी (2) धन्नाजी
(3) मीरां बाई (4) जसनाथजी (4)

व्याख्या– सिकन्दर लोदी ने संत जसनाथ जी के चमत्कारों से प्रभावित होकर इन्हें कतरियासर में 500 बीघा भूमि प्रदान की तथा नगाड़ा बजाने की छूट दी थी।

7. धधकते अंगारों पर किया जाने वाला अग्नि नृत्य किस सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाता है?
(1) जसनाथी सम्प्रदाय (2) रामस्नेही सम्प्रदाय
(3) विश्नोई सम्प्रदाय (4) निम्बार्क सम्प्रदाय (1)

व्याख्या– अग्नि नृत्य – जसनाथी सम्प्रदाय के कुछ अनुयायी अग्नि नृत्य करते है। जो नृत्य के दौरान फतेह–फतेह तथा सिद्ध रूस्तम जी का उच्चारण करते है। अग्नि नृत्य को सर्वाधिक संरक्षण बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने दिया।

8. संत दुर्लभ जी किस उपनाम से विख्यात है?
(1) राजस्थान का नृसिंह (2) राजस्थान का रहीम
(3) राजस्थान का कबीर (4) राजस्थान का तुलसीदास (1)

व्याख्या– संत दुर्लभ जा का कार्यक्षेत्र डूंगरपुर, बांसवाड़ा क्षेत्र में रहा है। इन्होंने लोगों को कृष्ण भक्ति (सगुण भक्ति) के उपदेश दिए।

9. सुमेलित कीजिये–

सम्प्रदाय	प्रमुख पीठ
(क) रामानन्द सम्प्रदाय	1. नाथद्वारा (राजसमंद)
(ख) निम्बार्क सम्प्रदाय	2. गलताजी (जयपुर)
(ग) नाथ सम्प्रदाय	3. सलेमाबाद (अजमेर)
(घ) वल्लभ सम्प्रदाय	4. महामन्दिर (जोधपुर)

	क	ख	ग	घ	
(1)	1	2	4	3	
(2)	2	1	4	3	
(3)	2	3	4	1	
(4)	3	2	4	1	(3)

10. वैष्णव धर्म का सर्वप्रथम उल्लेख किस अभिलेख से प्राप्त हुआ है?
(1) मानमोरी शिलालेख (2) घोसुण्डी शिलालेख
(3) कणसवा का लेख (4) किराडू का लेख (2)

व्याख्या– चित्तौड़गढ़ के घोसुण्डी में द्वितीय शताब्दी ई. पूर्व का कई शिलाखण्डों में टूटा हुआ शिलालेख प्राप्त हुआ है, इसमें द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व में भागवत धर्म का प्रचार, संकर्षण तथा वासुदेव की मान्यता और अश्वमेध यज्ञ के प्रचलन आदि का वर्णन है।

11. राजस्थान में सम्प्रदायों के प्रवर्तक का असंगत युग्म छांटिये–
(1) गौड़ीय सम्प्रदाय– गौरांग महाप्रभु चैतन्य
(2) रसिक सम्प्रदाय– कृष्णदास पयहारी
(3) पाशुपत सम्प्रदाय– आचार्य लकुलिश
(4) निम्बार्क सम्प्रदाय – निम्बार्काचार्य (2)

व्याख्या– राजस्थान में रसिक सम्प्रदाय के प्रवर्तक स्वामी अग्रदास थे। कृष्णदास पयहारी ने गलता (जयपुर) में रामानन्दी सम्प्रदाय की पीठ की स्थापना की थी।

12. निम्न में से कौनसा मंदिर वल्लभ सम्प्रदाय का नहीं है?
(1) मथुरेश मंदिर– कोटा
(2) गोकुलचन्द्र जी– कामां (भरतपुर)
(3) मदनमोहन मंदिर– करौली
(4) द्वारकाधीश मंदिर– कांकरोली (राजसमंद) (3)

व्याख्या– करौली में स्थित मदनमोहन मंदिर गौड़ीय सम्प्रदाय का है, जबकि कामवन (भरतपुर) में स्थित मदन मोहन मंदिर वल्लभ सम्प्रदाय का है।

13. जसनाथ जी के उपदेश किन ग्रन्थों में संग्रहित है ?
(1) हरड़ेवाणी, अंगवधू (2) 120 शब्द वाणियाँ
(3) ज्ञान समुद्र, ज्ञान सवैया (4) सिंभूदडा, कोंडा ग्रन्थ (4)

14. निम्न में से कौनसी रामस्नेही सम्प्रदाय की पीठ नहीं है?
(1) गाढ़ा (नागौर) (2) खेड़ापा (जोधपुर)
(3) सिंहथल (बीकानेर) (4) रैण (नागौर) (1)

व्याख्या– गाढ़ा (नागौर) में निरंजनी सम्प्रदाय की पीठ है।

9 मुस्लिम पीर, मस्जिदें, दरगाह, मीनार, मकबरे

1. राजस्थान में दाऊदी बोहरा सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ कहाँ पर है?
(1) गलियाकोट (डूँगरपुर) (2) सलैमाबाद (अजमेर)
(3) महामन्दिर (जोधपुर) (4) गलताजी (जयपुर) (1)

व्याख्या– गलियाकोट (डूँगरपुर)– यह दाऊदी बोहरा सम्प्रदाय की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। यहाँ संत सैय्यद फखरूद्दीन की मजार है, इसे 'मजार–ए–फखरी' भी कहते है।

2. नेहर खाँ की मीनार कहाँ है?
(1) अजमेर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) उदयपुर (3)

3. डूँगरपुर का गलियाकोट का उर्स हिजरी सन् के किस मास की 27वीं तारीख को मनाया जाता है ?
(1) मुहर्रम (2) रमज़ान
(3) रज्जब (4) सब्बाल (1)

4. ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स ..... माह की 1 से 6 तारीख तक मनाया जाता है। रिक्त स्थान भरिए –
(1) मुहर्रम (2) रमज़ान
(3) रज्जब (4) सब्बाल (3)

5. निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है ?

उर्स	स्थान
(1) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती का उर्स	– अजमेर
(2) चौटीला पीर का उर्स	– जालौर
(3) नरहड़ पीर का उर्स	– झुंझुनूँ
(4) तारकीन का उर्स	– नागौर (2)

व्याख्या– चौटीला पीर का उर्स केरला स्टेशन (पाली) में लगता है।

6. 'तारकीन का उर्स' निम्न में से किस पीर की दरगाह पर आयोजित किया जाता है ?
(1) हमीदुद्दीन नागौरी (2) पीर ढुल्लेशाह
(3) पीर फखरूद्दीन (4) पीर मलिक शाह (1)

7. ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को 'सुल्तान–उल–हिन्द' की उपाधि किसने दी थी?
(1) अकबर (2) मौहम्मद गौरी
(3) मोहम्मद गजनवी (4) बलबन (2)

8. ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी 'होली बायोग्राफी' के लेखक हैं ?
(1) मिर्जा वहीउदीन बेग (2) अब्बास खां सरवानी
(3) मीर उस्मान अली (4) हिसामुदीन सोख्ता (1)

9. अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के मुख्य गुम्बद का निर्माण व बुलंद दरवाजे का निर्माण किसने करवाया था ?
(1) जहाँगीर (2) अकबर
(3) मीर उस्मान अली (4) गयासुदीन खिलजी (4)

10. बीबी जरीना का मकबरा कहाँ पर स्थित है ?
(1) अजमेर (2) जोधपुर
(3) धौलपुर (4) उदयपुर (3)

11. सफदरगंज मीनार कहाँ पर स्थित है ?
(1) अजमेर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) अलवर (4)

12. मीरान साहब की दरगाह कहाँ पर स्थित है ?
(1) अजमेर (2) जयपुर
(3) प्रतापगढ़ (4) उदयपुर (1)

13. गमता गाजी मीनार कहाँ पर स्थित है ?
(1) अजमेर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) सिरोही (2)

14. इकमीनार मस्जिद कहाँ पर स्थित है ?
(1) अजमेर (2) जोधपुर
(3) बारां (4) सवाईमाधोपुर (2)

15. मर्दानशाह की मस्जिद राजस्थान के किस किले में स्थित है ?
(1) तारागढ़ (अजमेर) (2) आमेर (जयपुर)
(3) शेरगढ़ (धौलपुर) (4) मंडरायल दुर्ग (करौली) (4)

16. राजस्थान की सबसे प्राचीन मस्जिद मानी जाती है ?
(1) जामा मस्जिद, बारां (2) मेड़ता मस्जिद, नागौर
(3) अलाउद्दीन मस्जिद, जालौर (4) इकमीनार मस्जिद, जोधपुर (3)

17. सैयद बादशाह की दरगाह कहाँ पर स्थित है ?
(1) चौटीला (पाली) (2) शिवगंज (सिरोही)
(3) शाहबाद (बारां) (4) सवाईमाधोपुर (2)

18. मलिकशाह पीर की दरगाह राजस्थान के किस किले में स्थित है ?
(1) सिवाणा का किला (2) जालौर दुर्ग
(3) शेरगढ, धौलपुर (4) मंडरायल दुर्ग, करौली (2)

19. कुतुबद्दीन ऐबक द्वारा अजमेर में बनाया गया 'ढाई दिन का झोपड़ा' जहाँ पर पहले संस्कृत पाठशाला थी, किसके द्वारा बनाई गई थी ?
(1) विग्रह राज द्वितीय (2) पृथ्वीराज तृत्तीय
(3) विग्रहराज चतुर्थ (4) वासुदेव (3)

20. नरहड़ की दरगाह किस जिले में है?
(1) झुंझनुँ (2) अजमेर
(3) सीकर (4) चुरू (1)

व्याख्या– हाजिब शक्कर बार की दरगाह– नरहड़ (चिड़ावा, झुंझुनूं) में स्थित है। इनकी दरगाह नरहड़ शरीफ के नाम से जानी जाती है। जन्माष्टमी के दिन इनका उर्स होता है। यह दरगाह साम्प्रदायिक सद्भाव का अनुठा स्थल है।

21. हिसामुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है?
(1) चौमू (जयपुर) (2) गलियाकोट (डूँगरपुर)
(3) कपासन (चित्तौड़गढ़) (4) सांभर (जयपुर) (4)

22. राजस्थान के किस शहर में प्रत्येक वर्ष विश्व प्रसिद्ध उर्स का आयोजन किया जाता है?
(1) नागौर (2) जयपुर
(3) अजमेर (4) चित्तौड़गढ़ (3)

व्याख्या– ख्वाजा साहब का उर्स– रज्जब माह की पहली तारीख से 6 तारीख तक अजमेर में लगता है। यह दरगाह साम्प्रदायिक सदभाव का स्थल है। यहाँ लगने वाला विश्व प्रसिद्ध उर्स पुरे भारत में मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा मेला है।

10 राजस्थान के मंदिर

1. राजस्थान का एकमात्र मंदिर, जो दुर्ग के रूप में परकोटे से घिरा है एवं सिरोही जिले में स्थित है?
(1) सारणेश्वर महादेव मन्दिर (2) अचलेश्वर महादेव मन्दिर
(3) दिलवाड़ा जैन मंदिर (4) बाजणा गणेश मंदिर (1)

व्याख्या– यह मंदिर सिरणवा पहाड़ियों (सिरोही) में दुर्ग के रूप में एक परकोटे से घिरा हुआ है। इसका निर्माण महाराव दुर्जनशाल ने करवाया था। यहाँ पर देवड़ा राजकुल की कुलदेवी का मंदिर भी स्थित है।

2. निम्न में से कौनसा मंदिर पाली जिले में नहीं है?
(1) वरकाणा जैन मंदिर (2) सांडेराव जैन मन्दिर
(3) नारलोई जैन मंदिर (4) सेवाड़ा शिव मंदिर (4)

व्याख्या– सेवाड़ा (जालौर) में पातालेश्वर महादेव मंदिर है।

3. निम्न में से कौनसा मंदिर 'मेवाड़ का हरिद्वार' कहलाने वाले मातृकुंडिया (चितौड़गढ़) में स्थित है?
(1) गुप्तेश्वर महादेव मन्दिर (2) मंगलेश्वर महादेव मन्दिर
(3) मंडलेश्वर महादेव मंदिर (4) हल्देश्वर महादेव मंदिर (2)

व्याख्या– यहाँ भगवान शिव (मंगलेश्वर महादेव) का मंदिर है जो 'मेवाड़ का हरिद्वार' के नाम से भी जाना जाता है।

4. चितौड़ किले का कौनसा मंदिर 'मोकल जी का मंदिर' भी कहलाता है?
(1) बाडोली शिव मन्दिर (2) सतबीस देवरी मंदिर
(3) कुम्भश्याम मंदिर (4) समिद्धेश्वर मंदिर (4)

व्याख्या– समिद्धेश्वर मंदिर को त्रिभुवननारायण मंदिर/मोकल जी का मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह चित्तौड़ दुर्ग में गोमुख कुण्ड के किनारे नागर शैली में बना मंदिर है, जिसका निर्माण परमार राजा भोज ने 1011 से 1055 ई. के बीच करवाया था।

5. राजस्थान का भूमिज शैली का सबसे प्राचीन मंदिर है?
(1) सोमनाथ मन्दिर , पाली
(2) मरकंडी माता मंदिर, पाली
(3) सेवाड़ी जैन मंदिर, पाली
(4) कुंथुनाथ जैन मंदिर, आबू (3)

6. राजस्थान में अब तक ज्ञात सबसे प्राचीन जैन मंदिर है?
(1) सोमनाथ मन्दिर, पाली
(2) लूणवसही जैन मंदिर, देलवाड़ा
(3) महावीर मंदिर, औसियां
(4) कुंथुनाथ जैन मंदिर, आबू (3)

व्याख्या– इस मंदिर का निर्माण प्रतिहार शासक वत्सराज द्वारा 8वीं शताब्दी में करवाया गया था। इसे राजस्थान में अब तक का प्राचीनतम जैन मंदिर माना जाता है।

7. निम्न में से कौनसा मंदिर 'वागड़ का वैभव' कहलाता है?
(1) मावजी मन्दिर, साबला
(2) देव सोमनाथ मंदिर, डूँगरपुर
(3) विजय राज राजेश्वर मंदिर, डूँगरपुर
(4) अर्थुना जैन मंदिर, बाँसवाड़ा (2)

व्याख्या– यह सोम नदी के किनारे 12वीं शताब्दी में बना शिव मंदिर है। यह मंदिर बिना सीमेंट, चूने और मिट्टी के प्रयोग से सिर्फ सफेद पारेला पत्थरों से निर्मित है। इसका निर्माण सोमपुरा जाति (गुजरात से आई) के कलाकारों ने किया था।

8. कालिंजरा जैन मंदिर कहाँ स्थित है ?
(1) पाली (2) बाँसवाड़ा
(3) सिरोही (4) उदयपुर (2)

व्याख्या– कालिंजरा गांव में हरन नदी के तट पर ऋषभदेव जी का मंदिर स्थित है।

9. निम्न में से कौनसा मंदिर 'सपनों का मंदिर' कहलाता है?
(1) ऋषभदेव मंदिर (2) एकलिंग जी मंदिर
(3) जगदीश मंदिर, उदयपुर (4) सहस्रबाहु मंदिर, नागदा (3)

व्याख्या– सपनों का मंदिर– इस मंदिर के गर्भ गृह में स्थित मूर्ति किसी शिल्पकार द्वारा बनाई गई नहीं है बल्कि भगवान जगन्नाथ ने स्वप्न में प्रकट होकर महाराणा से कहा, कि मेरी मूर्ति डूँगरपुर के पास गर्वा गाँव के पीपल के पेड़ के नीचे 11 हाथ की खुदाई पर मिलेगी इसलिए इसे 'सपनों से बना मंदिर' कहा जाता है।

10. गेपरनाथ महादेव मंदिर कहाँ स्थित है?
(1) पाली (2) कोटा
(3) डूँगरपुर (4) उदयपुर (2)

व्याख्या– गेपरनाथ महादेव मंदिर (कोटा)– यह मंदिर जमीन की सतह से 300 फुट नीचे एक गर्भ में स्थित है। यहाँ शिवलिंग पर सदैव एक जल धारा (झरना) चलती रहती है।

11. चूलगिरी जैन मंदिर कहाँ स्थित है ?
(1) पाली (2) जालौर
(3) जयपुर (4) उदयपुर (3)

व्याख्या– चूलगिरी जैन मंदिर जयपुर शहर से बाहर एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। यह मंदिर भगवान पार्श्वनाथ को समर्पित है।

12. दक्षिण भारतीय शैली (द्रविड़ शैली) में बना राजस्थान का सबसे बड़ा मंदिर है?
(1) वराह मंदिर, पुष्कर (2) बैकुण्ठ मंदिर, पुष्कर
(3) रंगनाथ मंदिर, पुष्कर (4) नौग्रह मंदिर, किशनगढ़ (3)

13. हाड़ौती का खजूराहो के नाम से जाना जाने वाला मंदिर है ?
(1) बुढ़ादीत सूर्य मंदिर
(2) भंडदेवरा शिव मंदिर (बारां)
(3) मामा भानजा मंदिर, फूलदेवरा
(4) सात सहेली मंदिर (2)

व्याख्या– बारां के रामगढ़ में भंडदेवरा के शिव मंदिर को मिथुन मुद्रा की अनेक मूर्तियाँ बनी होने के कारण इसे ' राजस्थान का मिनी खजुराहो/ हाड़ौती का खजुराहो' कहा जाता है।

11 राजस्थान के त्योहार व मेले

1. पैगम्बर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन की याद में कौनसा त्योहार मनाया जाता है?
(1) शबे कद्र (2) चेहल्लुम
(3) ईद-उल-मिलादुलनबी (4) शबे बारात (3)

2. इदुलजुहा का त्योहार कब मनाया जाता है?
(1) रमजान माह की 10 तारीख
(2) सब्बाल माह की पहली तारीख
(3) जिल्हिज माह की 10 तारीख
(4) शबान माह की 14 तारीख (3)

व्याख्या– यह मुसलमानों का कुर्बानी का त्योहार है। हजरत इब्राहिम द्वारा अपने प्रिय पुत्र इस्माइल की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है।

3. शब-ए-बारात त्योहार कब मनाया जाता है?
(1) शाबान माह की 14वीं तारीख
(2) रमजान माह की 27वीं तारीख
(3) जमाद उल्सानी माह की 8 वीं तारीख
(4) रबी उल-अव्वल माह की 12वीं तारीख (1)

व्याख्या–इस रात को अल्लाह से अपनी भूलों के लिए माफी मांगते हैं।

4. सुगंध दशमी पर्व किन धर्मावलम्बियों से जुड़ा है?
(1) जैन (2) बौद्ध (3) पारसी (4) हिन्दू (1)

5. थदड़ी या बड़ी सातम किस धर्म व समाज से संबंधित पर्व है?
(1) जैन समाज (2) सिक्ख समाज
(3) ब्राह्मण समाज (4) सिंधी समाज (4)

व्याख्या– भाद्रपद कृष्ण सप्तमी के दिन 'बड़ी सातम' होती है। इसे 'सिंधी समाज का बास्योड़ा' भी कहा जाता है। इस दिन गर्म खाना नहीं खाया जाता है।

6. ईसा मसीह के स्वेच्छा से पुनः स्वर्ग लौट जाने के उपलक्ष्य में कौनसा त्योहार मनाया जाता है?
(1) असेन्शन डे (2) ईस्टर
(3) गुड फ्राइडे (4) क्रिसमस (1)

7. ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला त्योहार कौनसा है?
(1) क्रिसमस (2) गुड फ्राइडे
(3) ईस्टर (4) नव वर्ष दिवस (3)

8. भारत का राष्ट्रीय पंचांग किस पर आधारित है?
(1) शक संवत् (2) विक्रम संवत्
(3) ग्रिगोरियन कलैण्डर (4) हिजरी सन् (1)

व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय पंचाग शक संवत् पर आधारित है। यह 78 ई. में प्रारम्भ हुआ। इसका प्रारम्भ कुषाण शासक कनिष्क ने किया था।

9 हिजरी सन् का पहला महीना कौनसा है?
(1) मोहर्रम (2) शाबान
(3) रमजान (4) रबी-उल-अव्वल (1)

10. बिना ईसर की गणगौर कहाँ पूजी जाती है?
(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) उदयपुर (4) जैसलमेर (4)

व्याख्या–एक समय जैसलमेर व बीकानेर रियासतों में सम्बन्ध अच्छे नहीं थे, एक दूसरे के ईलाके में लूटमार करते थे। गणगौर के अवसर पर जैसलमेर में 'गढ़ीसर तालाब' जाती हुई गणगौर की सवारी पर बीकानेर के लोगों ने हमला कर दिया, जैसलमेर के लोगों ने लड़कर 'गवर' को बचा लिया, 'ईसर' की प्रतिमा बीकानेर के लोग लूट लाये। तब से जैसलमेर में गणगौर की सवारी में 'ईसर' की प्रतिमा नहीं होती है।

11. गणगौर त्योहार कितनी अवधि तक मनाया जाता है?
(1) 14 दिन (2) 15 दिन (3) 18 दिन (4) 19 दिन (3)

व्याख्या– गणगौर पूजन 'चैत्र कृष्ण एकम' से प्रारम्भ होकर 'चैत्र शुक्ल तृतीया' तक होता है। इस प्रकार ये 18 दिन होते हैं। इस त्योहार में गण (शिव) व गौर (पार्वती) का पूजन होता है।

12. गोगा नवमी कहा जाता है?
(1) भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की नवमी को
(2) श्रावण के कृष्ण पक्ष की नवमी को
(3) भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की नवमी को
(4) श्रावण के शुक्ल पक्ष की नवमी को (1)

13. 'धींगा गणगौर' कहाँ की प्रसिद्ध है?
(1) अजमेर (2) झालावाड़
(3) कोटा (4) उदयपुर (4)

14. मुस्लिम समाज के किस त्योहार में ताजिए निकालते हैं?
(1) इदुलजुहा (2) मोहर्रम
(3) शबेरात (4) इद-उल-फितर (2)

15. अजमेर जिले का कौनसा स्थान 'कोड़ामार होली' उत्सव हेतु प्रसिद्ध है?
(1) भिनाय (2) किशनगढ़
(3) नसीराबाद (4) मसूदा (1)

16. जलझूलनी एकादशी मनायी जाती है –
(1) कार्तिक शुक्ल एकादशी (2) चैत्र कृष्ण एकादशी
(3) माघ कृष्ण एकादशी (4) भाद्रपद शुक्ल एकादशी (4)

व्याख्या– इस दिन मण्डपिया (चित्तौड़) व चारभुजानाथ (गढ़बोर, राजसमंद) में सवारी निकलती है व मेले भरते है।

17. राजस्थान में त्योहारों का आगमन माना जाता है–
(1) श्रावणी तीज से (2) कजली तीज से
(3) गणगौर से (4) चैत्र शुक्ला एकम से (1)

18. किस पूर्णिमा के लिए मान्यता है कि संपूर्ण वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा षोडश कलाओं से परिपूर्ण होता है?
(1) कार्तिक पूर्णिमा (2) शरद पूर्णिमा
(3) फाल्गुन पूर्णिमा (4) माघ पूर्णिमा (2)

12 राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ

1. बणी–ठणी पेन्टिंग के चित्रकार थे –
(1) नागरीदास (2) निहालचंद
(3) एरिक डिक्शन (4) रामसिंह (2)

2. पिछवाई चित्रकला शैली कहाँ से संबंधित है?
(1) नाथद्वारा (2) किशनगढ़
(3) केलादेवी (4) प्रतापगढ़ (1)

व्याख्या– नाथद्वारा शैली की मौलिक देन श्रीनाथ जी के स्वरूप के पीछे सजावट के लिए बड़े आकार के कपड़े के पर्दे पर बनाए गए चित्र है, जो पिछवाईयों के नाम से जाने जाते है।

3. राजस्थानी चित्रकला का प्रारम्भिक और मौलिक रूप किस चित्रकला शैली में मिलता है?
(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) मेवाड़ (4) जैसलमेर (3)

4. फारसी कवि शेख सादी द्वारा जवाहरातों की स्याही से लिखा प्रसिद्ध ग्रंथ 'गुलिस्तां' वर्तमान में किस संग्रहालय में रखा हुआ है?
(1) अजमेर संग्रहालय (2) अलवर संग्रहालय
(3) सिटी पैलेस, जयपुर (4) करौली संग्रहालय (2)

व्याख्या– अलवर के शासक विनयसिंह ने शेख सादी की 'गुलिस्तां' को जवाहरातों की स्याही से सुलेखित व चित्रांकित करवाया था। इसके चित्र बलदेव और गुलाम अली ने बनाये थे।

5. किसके शासन में निर्मित चित्रशाला (रंगीन चित्र) बूँदी शैली का श्रेष्ठ उदाहरण है?
(1) राव शत्रुशाल (2) अनिरूद्ध सिंह
(3) सुर्जन सिंह (4) महाराव उम्मेद सिंह (4)

व्याख्या– महाराव उम्मेद सिंह ने बूँदी के राजमहल में 'चित्रशाला' का निर्माण करवाया, जिसमें बूँदी शैली के सर्वश्रेष्ठ चित्र अंकित हैं। इसी कारण इस चित्रशाला को 'भित्ति चित्रों का स्वर्ग' कहा जाता है।

6. 'उस्ताद' कहलाने वाले चित्रकारों ने भित्ति चित्र किस नगर में बनाये है?
(1) जयपुर में (2) जोधपुर में
(3) उदयपुर में (4) बीकानेर में (4)

7. पद्मश्री रामगोपाल विजयवर्गीय थे–
(1) प्रसिद्ध चित्रकार (2) प्रसिद्ध फिल्मी गीतकार
(3) मेवाड़ के प्रसिद्ध क्रांतिकारी (4) प्रसिद्ध मांड गायक (1)

व्याख्या– रामगोपाल विजयवर्गीय का जन्म 1905 ई. में बालेर ठिकाना (खण्डार, सवाई माधोपुर) में हुआ था। यह राजस्थान के पहले चित्रकार है, जिन्हें 1984 में पद्मश्री सम्मान मिला।

8. 'इंडियन मोनालिसा' के नाम से जाना जाने वाला चित्र राजस्थान की किस चित्र शैली से संबंधित है?
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बूँदी शैली (4) नाथद्वारा शैली (2)

9. पक्षियों को विशेष महत्व देने वाली चित्र शैली है?
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बूँदी शैली (4) नाथद्वारा शैली (3)

व्याख्या– बूँदी शैली में पशु पक्षियों का सर्वाधिक चित्रांकन किया गया है, इसलिए इसे 'पक्षी शैली' भी कहा जाता है। पक्षियों में भी कबुतर व बतख का सर्वाधिक चित्रण मिलता है।

10. कोटा के किस शासक के काल में 'शिकार का चित्रण' कोटा शैली का प्रतीक बना?
(1) सावंत सिंह (2) जवाहर सिंह
(3) माधो सिंह (4) महाराव उम्मेद सिंह (4)

11. प्रसिद्ध 'चित्रशाला' .....के गढ़ राजप्रासाद में स्थित है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) बूँदी (4) बीकानेर (3)

12. प्रसिद्ध 'गीत–गोविन्द' चित्र किस शैली का है?
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) शेखावाटी शैली (4) मारवाड़ शैली (1)

13. किस राजपूत चित्रकला शैली में नारियों और रानियों को शिकार करते चित्रित किया गया है?
(1) मेवाड़ शैली (2) कोटा शैली
(3) बूँदी शैली (4) मारवाड़ शैली (2)

14. प्रसिद्ध चित्रकार साहिबदीन चित्रकला की किस शैली से सम्बंधित है?
(1) मेवाड़ शैली (2) कोटा शैली
(3) बीकानेर शैली (4) मारवाड़ शैली (1)

व्याख्या– महाराणा जगतसिंह प्रथम के समय के प्रमुख चित्रकारों में साहिबदीन, नसीरूद्दीन व मनोहर थे। साहिबदीन ने 1648 ई. में 'भागवत पुराण' नामक ग्रन्थ चित्रित किया था।

15. अमरचंद द्वारा चित्रित 'चाँदनी रात की संगोष्ठी' किस चित्रकला शैली का चित्र है?
(1) अलवर शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बीकानेर शैली (4) नाथद्वारा शैली (2)

16. चावण्ड शैली की चित्रकला किसके शासन काल में प्रारम्भ हुई?
(1) महाराणा प्रताप (2) अमरसिंह प्रथम
(3) उदयसिंह (4) जगतसिंह प्रथम (1)

17. चित्रकला की किस शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय डॉ. फैय्याज अली को है?
(1) अलवर शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बीकानेर शैली (4) नाथद्वारा शैली (2)

व्याख्या– किशनगढ़ शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय एरिक डिक्सन व फैयाज अली को जाता है।

18. रामलाल, अली रजा एवं हसन जैसे विख्यात चित्रकारों का त्रिगुट किस चित्रशैली से संबंधित है?
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) बूँदी शैली (4) बीकानेर शैली (4)

13 राजस्थान की हस्तकलाएँ

1. लूनी नदी के प्रदूषण का प्रमुख स्रोत क्या है ?
(1) रंगाई–छपाई उद्योग (2) ग्वार–गम उद्योग
(3) इन्जीनियरिंग उद्योग (4) हैन्डी क्राफ्ट उद्योग (1)

व्याख्या– लूनी नदी के निकट स्थित कस्बों बालोतरा, जसोल, बिठूजा व पाली में रंगाई छपाई उद्योगों के कारण इन उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट से लूनी नदी का जल प्रदूषित होता है।

2. अजरक प्रिन्ट के लिये राजस्थान में कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?
(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर
(3) पाली (4) सांगानेर (2)

3. जयपुर की 'ब्लू पॉटरी' को किसने अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी–
(1) कृपाल सिंह शेखावत (2) मोहनलाल कुम्हार
(3) रामगोपाल विजयवर्गीय (4) श्रीलाल जोशी (1)

व्याख्या– इनका जन्म 1922 ई. में मऊ गाँव (सीकर) में हुआ था। ये ब्ल्यू पॉटरी के प्रसिद्ध कलाकार थे।

4. 'खेसला उद्योग' के लिए प्रसिद्ध लेटा ग्राम किस जिले में स्थित है?
(1) जोधपुर में (2) बाड़मेर में
(3) जालौर में (4) बीकानेर में (3)

व्याख्या– ओढ़ने की मोटी सूती चद्दरों को खेसला कहा जाता है। लेटा गाँव में मेघवाल जाति के बनुकरों द्वारा यह कार्य किया जाता है।

5. 'कागजी टैराकोटा' के लिए प्रसिद्ध है–
(1) उदयपुर (2) जोधपुर
(3) भरतपुर (4) अलवर (4)

व्याख्या– अलवर में चीनी मिट्टी से कागज के समान पतले पात्रों का निर्माण किया जाता है, इसे 'कागजी पॉटरी/डबल कट वर्क पॉटरी' भी कहा जाता है।

6. धातु से बनी हुई वस्तुओं पर सोने के पतले तारों की जड़ाई को कहते हैं–
(1) उस्ता कला (2) कोफ्तगिरी
(3) कुंदन (4) मीनाकारी (2)

7. कौनसा शहर 'तलवार' निर्माण के लिए प्रसिद्ध है–
(1) सिकन्दरा (2) सिरोही
(3) ब्यावर (4) अलवर (2)

8. राजस्थान में कौनसा स्थान 'नमदा' उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है?
(1) जयपुर (2) कोटा
(3) टोंक (4) बून्दी (3)

व्याख्या– ऊन को कूटकर उसे जमाकर जो वस्त्र बनाते हैं, उसे नमदा कहा जाता है।

9. ऊनी बरड़ी, पट्टू, शॉल व लोई के लिए प्रसिद्ध है–
(1) जयपुर (2) जैसलमेर
(3) बाड़मेर (4) बीकानेर (2)

10. सूँघनी नसवार प्रसिद्ध है–
(1) ब्यावर (2) बाँसवाड़ा
(3) अलवर (4) उदयपुर (1)

11. तारकशी के जेवर के लिए जाना जाता है–
(1) नाथद्वारा (2) टोंक
(3) टांकला (नागौर) (4) जोधपुर (1)

व्याख्या– चाँदी के तारों को गूँथकर बनाये गये आभूषण तारकशी के जेवर कहलाते हैं। जो नाथद्वारा (राजमसंद) के अलावा जयपुर में भी बनाये जाते हैं।

12. खण्डेला (सीकर) भिनाय (अजमेर) प्रसिद्ध है–
(1) गोटा किनारी उद्योग के लिए
(2) गरासियों की फाग ओढ़नी
(3) रेजी निर्माण के लिए
(4) पेचवर्क व चटापटी कार्य के लिए (1)

13. जस्ते की मूर्तियाँ व वस्तुएँ मुख्यत: कहाँ बनती हैं–
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) जैसलमेर (4) गलियाकोट (डूँगरपुर) (2)

14. कृषिगत औजारों के लिए प्रसिद्ध स्थान हैं–
(1) गजसिंहपुर (गंगानगर) (2) नागौर
(3) झोटवाड़ा (जयपुर) (4) उक्त सभी (4)

15. सूती या रेशमी कपड़े पर बादले से छोटी–छोटी बिंदकी की कढ़ाई कहलाती है–
(1) मुकेश का काम (2) पेचवर्क
(3) चटापटी का कार्य (4) ब्लॉक प्रिंटिंग (1)

16. जरी का काम सूरत से जयपुर किसके समय लाया गया ?
(1) महाराज राम सिंह द्वितीय (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) सवाई जयसिंह (4) सवाई ईश्वरी सिंह (3)

17. गलीचे निर्माण के लिए प्रसिद्ध है–
(1) जयपुर, बीकानेर (2) जैसलमेर, बाड़मेर
(3) टोंक, कोटा (4) भीलवाड़ा, अजमेर (1)

व्याख्या– राजस्थान में गलीचा निर्माण के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध स्थान जयपुर है, इसके अलावा बीकानेर व टोंक में भी गलीचे निर्माण का कार्य होता है। रियासती काल में बीकानेर जेल में बनने वाले गलीचे प्रसिद्ध थे।

18. लहरिया व पोमचा के लिए जाना जाता है–
(1) जयपुर (2) बाड़मेर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर (1)

19. फड़ चित्रण में सिद्धहस्त है–
(1) शाहपुरा का जोशी परिवार
(2) प्रतापगढ़ का सोनी परिवार
(3) जयपुर का शेखावत परिवार
(4) नाथद्वारा का जांगिड़ परिवार (1)

14 राजस्थान के लोकनृत्य

1. कत्थक क्या है?
(1) लोक नाट्य (2) शास्त्रीय नृत्य
(3) लोक कला (4) हस्त कला (2)

व्याख्या – कत्थक राजस्थान का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य है। इसके प्रवर्तक भानू जी थे। नृत्य की कत्थक शैली का आदिम घराना जयपुर घराना है।

2. किस नृत्य में महिलाएँ अपने प्रियतम से श्रृंगार की चीजें लाने का अनुरोध करती हैं?
(1) चकरी नृत्य (2) चरवा नृत्य
(3) धाकड़ नृत्य (4) लाठी नृत्य (1)

व्याख्या– हाड़ौती अंचल में कंजर अविवाहित युवतियों द्वारा 80 कली का घाघरा पहनकर तेज गति से चक्राकार घुमते हुए चकरी नृत्य किया जाता है।

3. कनाणा (बाड़मेर) का प्रसिद्ध नृत्य कौनसा है?
(1) गैर नृत्य (2) द्विचकी नृत्य
(3) मोरिया नृत्य (4) बालदिया नृत्य (1)

4. निम्न में से कौनसा युग्म असुमेलित है?
(1) जवारा नृत्य– गरासिया जाति
(2) द्विचक्री नृत्य– मीणा जाति
(3) रणबाजा नृत्य– मेव जाति
(4) युद्ध नृत्य– भील जाति (2)

व्याख्या– द्विचक्री नृत्य भीलों द्वारा किया जाता है।

5. निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है ?

नृत्य	जाति
(1) रतवई नृत्य–	मेव
(2) मांदल नृत्य–	गरासिया
(3) गैर नृत्य–	भील
(4) शिकारी नृत्य–	मीणा (4)

व्याख्या– शिकारी नृत्य सहरिया जनजाति द्वारा किया जाता है।

6. निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है?

लोक नृत्य	जाति
(1) नेजा नृत्य	– गरासिया
(2) चरी नृत्य	– मीणा
(3) मावलिया नृत्य	– कथौड़ी
(4) वालर नृत्य	– भील (3)

व्याख्या – मावलिया नृत्य कथौड़ी जाति का है। यह नृत्य नवरात्रों में 9 दिनों तक कथौड़ी जाति के लोग समूह बनाकर ढोलक व बांसूरी के साथ देवी–देवताओं के गीत गाते हुए गोल घेरे में नृत्य करते हैं।

7. कालबेलियों का सबसे अधिक आकर्षक प्रेम आधारित युगल नृत्य है?
(1) शंकरिया (2) बागड़िया
(3) पणिहारी (4) इंडोणी (1)

8. निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है?
(1) गींदड़ नृत्य– शेखावाटी
(2) डांडिया नृत्य– मारवाड़
(3) अग्नि नृत्य– बीकानेर
(4) बम नृत्य– सवाई माधोपुर (4)

व्याख्या– बम नृत्य भरतपुर–अलवर में किया जाता है।

9. निम्न में से कौनसा लोकनृत्य, लयबद्ध तरीके से आगे बढ़ने व पीछे हटते हुए पैटर्न बनाने की कला के लिए प्रसिद्ध है?
(1) चंग नृत्य (2) कच्छी घोड़ी नृत्य
(3) बिंदौरी नृत्य (4) नाहर नृत्य (2)

व्याख्या– यह नृत्य वीर रस से सम्बन्धित है, इसके कलाकार वीरोचित वेशभूषा धारण करके हाथ में लकड़ी की तलवार लेकर बांस की खपच्चियों/काठ की घोड़ी पर सवार होकर 4–4 व्यक्ति लयबद्ध तरीके से इस प्रकार आगे पीछे बढ़ते हैं, जैसे फूल की पंखुड़ियों के खुलने व बंद होने का आभास होता है।

10. घुड़ला नृत्य कब किया जाता है?
(1) कार्तिक अमावस्या (2) चैत्र कृष्णा 8
(3) श्रावण शुक्ला 3 (4) माघ शुक्ला 5 (2)

व्याख्या – घुड़ला नृत्य जोधपुर का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा चैत्र कृष्ण अष्टमी को किया जाता है। यह नृत्य प्रायः रात में ही किया जाता है।

11. तेरहताली नृत्य का प्रमुख वाद्ययंत्र कौनसा है?
(1) मंजीरा (2) चंग
(3) झांझ (4) श्रीमंडल (1)

12. तलवारों की गैर कहाँ की प्रसिद्ध है?
(1) मेनार (उदयपुर) (2) कतरियासर (बीकानेर)
(3) मांडल (भीलवाड़ा) (4) शाहपुरा (भीलवाड़ा) (1)

13. अलवर व भरतपुर जिलों में फाल्गुन की मस्ती में नगाड़ों के साथ किये जाने वाले नृत्य का नाम है?
(1) गीदड़ नृत्य (2) घूमर नृत्य
(3) ढोल नृत्य (4) बम नृत्य (4)

14. किस नृत्य को 'भैरव नृत्य' भी कहा जाता हैं?
(1) नाहर नृत्य (2) गरबा नृत्य
(3) मयूर नृत्य (4) पेजण नृत्य (3)

व्याख्या– मयूर नृत्य ब्यावर के बादशाह मेले में बादशाह की सवारी के आगे बीरबल का पात्र निभाने वाला व्यक्ति करता है। इसे भैरव नृत्य भी कहते है।

15. निम्नलिखित नृत्यों में से किस नृत्य में केवल स्त्रियाँ भाग लेती हैं ?
(1) कच्छीघोड़ी (2) लूम्बर
(3) मोरिया नृत्य (4) गैर नृत्य (2)

व्याख्या– यह जालौर क्षेत्र का महिला प्रधान नृत्य है, यह नृत्य होली पर किया जाता है।

15 राजस्थान के लोक नाट्य

1. रम्मत नामक रंगमंच/नाट्य किस क्षेत्र से संबंधित है?
(1) भरतपुर (2) उदयपुर
(3) टोंक (4) बीकानेर (4)

2. निम्न में से असंगत युग्म छांटिए–
(1) कुचामन ख्याल – नानूराम
(2) शेखावाटी ख्याल – दूलिया राणा
(3) रम्मत – तेज कवि जैसलमेरी
(4) तमाशा – बंशीधर भट्ट (1)

व्याख्या– कुचामन ख्याल के प्रसिद्ध नाट्यकार लच्छीराम व उगमराज है।

3. संत पीर शाहअली और तुकनगीर ने 400 साल पहले मेवाड़ में किस ख्याल की रचना की?
(1) शेखावाटी ख्याल (2) हेला ख्याल
(3) कन्हैया ख्याल (4) तुर्रा कलंगी ख्याल (4)

4. राजस्थान का कौन–सा नाट्य 'लोकनाट्यों का मेरू नाट्य' के नाम से जाना जाता है?
(1) गवरी (2) भवाई
(3) ख्याल (4) तमाशा (1)

व्याख्या– यह नृत्य भील जनजाति द्वारा श्रावण पुर्णिमा (रक्षाबंधन) के दुसरे दिन से शुरू होकर 40 दिन तक आश्विन शुक्ल नवमी तक खेला जाता है।

5. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस शहर में होली के अवसर पर 'रम्मत' का आयोजन किया जाता है?
(1) करौली (2) बीकानेर
(3) जैसलमेर (4) जोधपुर (2)

6. तुर्रा और कलंगी लोकनाट्य में तुर्रा और कलंगी प्रतीक हैं?
(1) गणेश और रिद्धि के (2) कृष्ण और राधा के
(3) विष्णु और लक्ष्मी के (4) शिव और पार्वती के (4)

7. चारबैत क्या है?
(1) काव्य से भरपूर एक लोकनाट्य विधा
(2) होली पर एक दूसरे को पीटने का खेल
(3) एक प्रकार की गीत गायन शैली
(4) टोंक में प्रचलित बेंतमार होली (1)

8. राजस्थान के पूर्वी अंचल में प्रचलित नौटंकी किस राज्य से प्रभावित है?
(1) उत्तर प्रदेश (2) मध्यप्रदेश
(3) हरियाणा (4) गुजरात (1)

9. निम्नलिखित में से कौन–सी लोक संगीत एवं नृत्य शैली जयपुर से सम्बधित है?
(1) रम्मत (2) तमाशा
(3) ढप्पाली ख्याल (4) नौटंकी (2)

व्याख्या– तमाशा लोक नाट्यों की शुरुआत महाराजा प्रतापसिंह के समय जयपुर से हुई। यह मूलतः महाराष्ट्र का लोकनाट्य है।

10. राजस्थान के किस क्षेत्र में रम्मत नाट्य का उद्भव हुआ?
(1) अलवर, भरतपुर (2) बीकानेर, जैसलमेर
(3) कोटा, झालावाड़ (4) किशनगढ़, नाथद्वारा (2)

11. निम्नलिखित में से कौन सा भीलों का प्रसिद्ध लोक–नाट्य है?
(1) रम्मत (2) तमाशा
(3) स्वांग (4) गवरी (4)

12. पठानी मूल की काव्य प्रधान लोक नाट्य विधा जिसे टोंक के नवाब फैजुल्ला खाँ के समय अब्दुल करीम खाँ निहंग ने प्रारम्भ किया?
(1) चारबैत (2) अली बक्शी
(3) तुर्रा कलंगी (4) तमाशा (1)

13. ''कुचामनी ख्याल' से सम्बन्धित कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) कुचामनी ख्याल के प्रवर्तक लच्छीराम है।
(2) इनमें पुरुष पात्र ही स्त्री चरित्र का अभिनय करते है।
(3) इसके कलाकार चेतराम, हमीद बेग, ताराचन्द प्रमुख है।
(4) इनमें नर्तक ही गायक का कार्य करते हैं। (3)

व्याख्या– चेतराम, हमीद बेग व ताराचन्द तुर्रा कलंगी ख्याल के प्रमुख कलाकार हैं।

14. 'तुर्राकलंगी' लोक नाट्य के रचनाकार है?
(1) अली बक्श और युनस अली (2) रमजान और शोएब खान
(3) फैजुल्ला और करीम हसन (4) शाह अली और तुक्कनगीर (4)

व्याख्या– तुर्रा कलंगी लोक नाट्य में तुर्रा को शिव का प्रतीक व कलंगी को पार्वती का प्रतीक माना जाता है। चन्देरी के शासक ने तुकनगीर को तुर्रा व शाह अली को कलंगी भेंट की थी।

15. भीलों का प्रसिद्ध नाट्य, जो शिव तथा भस्मासुर की कथा पर आधारित है, उसे कहते हैं?
(1) भवाई नाट्य (2) रम्मत
(3) गवरी या राई (4) कन्हैया ख्याल (3)

16. राजस्थान में लोकनाट्य की सबसे लोकप्रिय विधा कौनसी है?
(1) ख्याल (2) नौटंकी
(3) रामलीला (4) रम्मत (1)

व्याख्या – ख्याल लोकनाट्य का प्रारंभ 18वीं सदी से हुआ है। यह लोकनाट्य की सबसे लोकप्रिय विधा है। इसमें पौराणिक आख्यानों व ऐतिहासिक वीराख्यानों का पद्यबद्ध रचनाओं के रूप में प्रदर्शन कर जनता का मनोरंजन किया जाता है।

17. किस कलाकार ने गोपीचन्द तथा हीर रांझा तमाशा प्रारम्भ किया?
(1) सदाशिव (2) वासुदेव भट्ट
(3) जयदेव कलाली (4) नानूराम (2)

18. भारत में 'चारबैत कला' का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
(1) हम्मीद बेगम (2) सैय्यद हसन
(3) अब्दुल करीम खाँ (4) फकीरूल्ला (3)

व्याख्या– चारबैंत कला का आरम्भ नवाब फैजुल्ला के समय हुआ था। यह टोंक का प्रसिद्ध लोकनाट्य है।

19. किस लोक नाट्य में स्त्रियों की भूमिका पुरुष नहीं निभाते हैं?
(1) तुर्रा कलंगी ख्याल (2) कुचामनी ख्याल
(3) गवरी नृत्य (4) तमाशा (4)

16 राजस्थान के संगीत घराने, कलाकार, गायन शैलियाँ व प्रसिद्ध संगीतज्ञ

1. मेवाड़ का वह शासक, जिसने संगीत राज व संगीत मिमांसा नामक संगीत ग्रन्थ लिखे?
(1) राणा हम्मीर (2) महाराणा कुम्भा
(3) जगत सिंह प्रथम (4) महाराणा राजसिंह (2)

2. जयपुर के बीनकार संगीत घराने के प्रवर्तक कौन थे?
(1) रज्जब अली खाँ (2) मनरंग (भूपत खाँ)
(3) रमजान खाँ (4) अल्लादिया खाँ (1)

व्याख्या– बीनकार घराने के प्रवर्तक 'रज्जब अली खाँ बीनकार' थे। जो सवाई रामसिंह द्वितीय के दरबारी संगीतकार थे।

3. जयपुर के किस शासक ने प्रसिद्ध संगीतज्ञों एवं विद्वानों की मंडली 'गधर्व बाईसी' को अपने दरबार में संरक्षण दे रखा था?
(1) महाराजा अनूपसिंह (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) मिर्जा राजा जयसिंह (4) सवाई जयसिंह (2)

व्याख्या– सवाई प्रतापसिंह के प्रमुख दरबारी संगीतज्ञ देवर्षि ब्रजपाल भट्ट, देवर्षि द्वारकानाथ भट्ट, चाँद खाँ व गणपत भारती थे।

4. ख्याल शैली के जयपुर घराने के प्रवर्तक कौन माने जाते हैं?
(1) कल्लन खाँ (2) जहाँगीर खाँ
(3) भूपत खाँ (4) छज्जू खाँ (3)

5. राजस्थान की विख्यात गायिका गोहर बाई की पुत्री, जो राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायिका हैं, का क्या नाम है ?
(1) गवरी देवी (2) माँगी बाई
(3) अल्लाह जिलाई बाई (4) बन्नो बेगम (4)

6. निम्न में से कौनसा संगीत ग्रंथ पुण्डरीक विट्ठल द्वारा रचित है ?
(1) रागमाला (2) रागमंजरी
(3) नर्तन निर्णय (4) उक्त सभी (4)

व्याख्या– पुण्डरीक विट्ठल की प्रमुख रचनाएँ रागमाला, रागमंजरी, नर्तन निर्णय व सद्राग चन्द्रोदय आदि हैं।

7. मांड गायिकी का उद्गम राजस्थान में किस क्षेत्र से हुआ है?
(1) जैसलमेर (2) जयपुर
(3) करौली (4) उदयपुर (1)

व्याख्या– 10वीं व 11वीं शताब्दी में जैसलमेर को 'मांड क्षेत्र' कहा जाता था। अतः यहाँ विकसित हुई गायन शैली मांड गायन शैली कहलाई। यह शृंगार प्रधान गायकी है।

8. राजस्थान में हवेली संगीत कहाँ का प्रसिद्ध है?
(1) रामदेवरा (2) पुष्कर
(3) नाथद्वारा (4) महावीर जी (3)

व्याख्या– मध्यकाल में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा हिन्दू मंदिरों को नष्ट किए जाने के कारण हवेलियों व घरों में मंदिर स्थापित हुए तथा वहाँ किए जाने वाले कीर्तन, संगीत व ध्रुपद गायकी आगे चलकर 'हवेली संगीत' के नाम से प्रसिद्ध हुए।

9. राजस्थान में किस स्थान की ताल बंदी गायकी प्रसिद्ध है?
(1) टोंक (2) सवाईमाधोपुर
(3) उदयपुर (4) भीलवाड़ा (2)

व्याख्या– औरंगजेब के समय संगीत पर पाबन्दी लगा देने पर विस्थापित होकर आये कलाकारों द्वारा सवाईमाधोपुर में यह गायन शैली विकसित की। यह गायन शैली सवाई माधोपुर के अलावा करौली, धौलपुर व भरतपुर में भी प्रचलित है।

10. सदीक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद (लोकरंग) कहाँ पर स्थित है?
(1) जयपुर (2) बाड़मेर
(3) उदयपुर (4) जैसलमेर (1)

व्याख्या– प्रसिद्ध गायक व कड़ताल वादक सदिक खां की स्मृति में 'सदिक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद' की स्थापना जयपुर में 2002 ई. में की गई।

11. मांड गायकी की सुप्रसिद्ध गायिका है?
(1) रेशमा (2) चम्पा मेथी
(3) शंकुतला पंवार (4) अल्लाह जिलाई बाई (4)

व्याख्या – अल्लाह जिलाई बाई का जन्म बीकानेर में हुआ। बचपन में उस्ताद हुसैन बक्श से संगीत की शिक्षा ली। बाल्यकाल में महाराजा गंगासिंह के सामने गाने का मौका मिला। इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर महाराजा ने इन्हें बीकानेर म्यूजिकल स्कूल में भर्ती करवा दिया। 1982 में इन्हें पद्मश्री मिला व 1982 में ही राजस्थान श्री सम्मान मिला।

12. ध्रुपद गायकी का आरंभ किसके शासनकाल में हुआ–
(1) महाराजा अनूपसिंह (2) अलाउद्दीन खिलजी
(3) राजा मानसिंह तोमर (4) महाराणा कुम्भा (3)

व्याख्या– ध्रुपद गायन शैली के जनक ग्वालियर के मानसिंह तोमर को माना जाता है। इन्होंने बैजू बावरा के सहयोग से स्वयं ध्रुपद गायन शैली प्रारम्भ की थी।

13. मांड गीत राजस्थान के किस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है?
(1) बीकानेर (2) मेवाड़
(3) शेखावाटी (4) वागड़ (1)

14. निम्न में से कौन मांड गायिका है?
(1) गवरी देवी (2) रूकमा मांगणियार
(3) पार्वती जोशी (4) नाथी देवी (1)

व्याख्या– ध्यान रहे राजस्थान में गवरी देवी नाम की दो मांड गायिकाएँ हुई हैं। गवरी देवी (पाली)– यह भैरवी युक्त मांड गायकी के लिए प्रसिद्ध हैं। गवरी देवी (बीकानेर)– इनके माता–पिता बीकानेर राज्य के दरबारी गायक थे, इनका विवाह जोधपुर निवासी मोहनलाल से हुआ था। इन्हे 'मांड मल्लिका' कहा जाता है।

15. हिन्दुस्तानी वादन की ख्याल शैली के 'जयपुर घराना' के प्रवर्तक कौन थे?
(1) विष्णु भातखण्डे (2) जियाउद्दीन डागर
(3) बहराम खान (4) मनरंग (4)

व्याख्या– ख्याल गायकी के जयपुर घराने के प्रवर्तक मनरंग (भूपत खाँ) थे, जो दिल्ली घराने के प्रवर्तक सदारंग खाँ के पुत्र थे।

17 राजस्थान के लोकगीत

1. निम्न में से किसे 'गाली' गीत भी कहते हैं?
(1) इंडोणी (2) पावणा
(3) सीठणे (4) सूंवटिया (3)

व्याख्या– सीठणे विवाह के अवसर पर दामाद या मेहमान को भोजन कराते समय गीतों में गालियाँ निकाली जाती है। जिसे गाली गीत भी कहते हैं।

2. जैसलमेर जिले में पति के परदेस जाने पर उसके वियोग में गाया जाने वाला गीत हैं?
(1) सूंवटिया (2) झोरावा
(3) हमसीढ़ो (4) पीपली (2)

3. किसानों का प्रेरक गीत, जो खेती आरम्भ करते समय गाया जाता है?
(1) कामण (2) तेजा गीत
(3) पपैयो (4) झोरावा (2)

4. नए दामाद के ससुराल आने पर स्त्रियों द्वारा .....गीत गाया जाता हैं। रिक्त स्थान भरिए–
(1) लावणी (2) कामण (3) पावणा (4) ओल्यूँ (3)

5. लड़के के विवाह पर 'निकासी' (घुड़चढ़ी की रस्म पर) के अवसर पर गाया जाने वाला गीत है?
(1) घुड़ला (2) सुपणा
(3) बना–बनी (4) घोड़ी (4)

6. राजस्थान का रजवाड़ी गीत 'केसरिया बालम' किस राग में गाया जाता है ?
(1) मांड (2) पीलू
(3) सारंग (4) मोड (1)

व्याख्या– केसरिया बालम राजस्थान का राज्यगीत है। इसमें विदेश गये पति को आने का संदेश दिया जाता है। इसमें पति की प्रतीक्षा करती हुई एक नारी की विरह व्यथा है।

7. 'कुकड़लू' क्या है ?
(1) एक राजस्थानी लोकगीत
(2) वृद्ध की मृत्यु पर किया जाने वाला संस्कार
(3) घना अभयारण्य में पाया जाने वाला एक पक्षी
(4) गरासियों की एक प्रथा (1)

व्याख्या– शादी के अवसर पर जब दुल्हा तोरण पर आता है तब वधू पक्ष की महिलाएँ कुकड़लू गीत गाती है।

8. 'लोकगीत किसी संस्कृति के मुँह बोले चित्र हैं।' यह किसका कथन है?
(1) देवेन्द्र सत्यार्थी (2) सत्येन्द्र त्रिपाठी
(3) महात्मा गाँधी (4) डॉ. जैतनारायण शास्त्री (1)

9. शुभ अवसरों पर सर्वप्रथम गाया जाने वाला गीत है?
(1) बधावा (2) हरजस
(3) विनायक (4) घुघरी (3)

10. मारवाड़ में किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की मृत्यु पर गाया जाने वाला गीत है?
(1) बेमाता गीत (2) मरसिया
(3) हमसीढ़ो (4) जलो जलाल (2)

11. रात्रि जागरण का अंतिम गीत, जो भोर के समय गाया जाता है?
(1) रतिजगा (2) घुघरी
(3) कुकड़ी का गीत (4) झूलरिया (3)

12. निम्न में से कौनसा गीत विवाह से सम्बन्धित नहीं है?
(1) जलो जलाल (2) पीठी
(3) बन्ना–बन्नी (4) रसिया (4)

व्याख्या– यह भरतपुर–धौलपुर क्षेत्र का प्रसिद्ध गीत है, जो होली के त्योहार पर बम वाद्ययंत्र के साथ गाया जाता है।

13. निम्न में से कौनसा गीत सहरिया जनजाति का नहीं है?
(1) लहंगी (2) आल्हा
(3) झूलरिया (4) हींडा (3)

व्याख्या– झूलरिया गीत मायरा या भात भरते समय गाया जाता है।

14. सावन मास में झूला झूलते समय महिलाओं द्वारा गाया जाने वाला गीत है?
(1) कोयलड़ी (2) हीन्डो (3) झूलरिया (4) पीपली (2)

15. सगाई के बाद विवाह में देरी होने पर कन्या द्वारा गाया जाने वाला गीत है?
(1) कुरजां (2) सुवटियों
(3) पपैयो (4) मोरियो (4)

व्याख्या– मोरिया एक सरस लोकगीत है।

16. वह विरह प्रधान गीत, जिसमें बारह महीनों की प्राकृतिक विशेषताओं का वर्णन विरहनी स्त्री के मुँह से कराया जाता है?
(1) लहरियो (2) बादली
(3) चौमासा (4) बारहमासा (4)

17. निम्न में से कौन सा एक लोकगीत राजस्थान के पर्वतीय क्षेत्र का नहीं है?
(1) बिछीयो (2) कुरजाँ
(3) लालर (4) पटेल्या (2)

व्याख्या– कुरजाँ गीत के माध्यम से विरहणी अपने प्रियतम को कुरजाँ पक्षी के माध्यम से संदेश पहुँचाना चाहती है। यह मरूस्थलीय क्षेत्र का गीत है।

18. बीकानेर की गायिका अल्लाह जिलाई बाई किस राग गायन के लिए प्रसिद्ध थी?
(1) सारंग (2) भैरवी (3) ध्रुपद (4) माण्ड (4)

19. राजस्थानी लोकगीत 'नेतल का भरतार' किस लोकदेवता से सम्बन्ध रखता है?
(1) तेजाजी (2) झूंझार जी
(3) पाबूजी (4) रामदेव जी (4)

20. रतवाई लोकगीत किस क्षेत्र में गाये जाते हैं?
(1) हाड़ौती (2) मेवात
(3) वागड़ (4) शेखावाटी (2)

21. विवाह के अवसर पर वर–वधू को नहलाने से पहले उबटन लगाते समय गाया जाने वाला गीत है?
(1) चाक गीत (2) घोड़ी
(3) पावणा (4) पीठी (4)

18 राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र

1. कामायचा किस प्रकार का लोक वाद्य है?
(1) तत् (2) सुषिर
(3) ताल (4) घन (1)

व्याख्या– कामायचा सारंगी जैसा दिखने वाला, लेकिन सारंगी से बड़े आकार का वाद्ययंत्र है। जिसमें 16 या 17 तारें होती हैं। जिसमें तीन मुख्य तार बकरे की आंत से बनाई जाती है। इसकी गज में 27 तार होते हैं। इसे बनाने में केवल एक ही लकड़ी का प्रयोग होता है।

2. निम्न में से कौनसा वाद्य वीणा के आकार का होता है एवं इसे वीणा का प्रारम्भिक रूप कहा जाता है?
(1) भपंग (2) कामायचा
(3) चिकारा (4) जन्तर (4)

3. निम्न में से कौनसा वाद्य एक सुषिर वाद्य नहीं है?
(1) सारंगी (2) नागफणी
(3) अलगोजा (4) नड़ (1)

व्याख्या– सारंगी तत् वाद्ययंत्रो में सर्वश्रेष्ठ वाद्ययंत्र है यह सागवान की लकड़ी से बनायी जाती है। इसका वादन घोड़े की पूंछ के बाल वाले गज से किया जाता है।

4. सरगड़ा जाति का खानदानी वाद्य कौनसा है?
(1) बांकिया (2) मशक
(3) भूँगल (4) सतारा (1)

व्याख्या– बांकिया बिगुल का बड़ा रूप होता है। पीतल या स्टील का बना होता है। आजकल इसको बैण्डों में भी बजाया जाता है।

5. लोहे से बना मोरचंग किस प्रकार का वाद्य है ?
(1) घन (2) सुषिर
(3) ताल (4) तत् (2)

व्याख्या– यह सुषिर वाद्ययंत्रों में सबसे छोटा वाद्ययंत्र है।

6. निम्न में से कौनसा वाद्य अवनद्य/ताल वाद्य नहीं है ?
(1) झाँझ (2) डैरू
(3) तासा (4) डफ (1)

व्याख्या– झाँझ एक घन वाद्ययंत्र है जो कि शेखावाटी में कच्छीघोड़ी नृत्य के समय बजाया जाता है।

7. किस वाद्य को भगवान शिव का वाद्य माना जाता है ?
(1) शंख (2) डमरू
(3) घण्टा (4) बाँसुरी (2)

8. मृदंग की आकृति के मिट्टी से बने लोक वाद्य, जो मोलेला गाँव में विशेषत: बनाया जाता है, का क्या नाम है?
(1) नौबत (2) माँदल
(3) धौंसा (4) माठ (2)

व्याख्या– मोलेला गाँव (राजसमंद) में माँदल के बाहर के खोल को मिट्टी से बनाते है। इसके दोनों तरफ चमडा मंढ़ा जाता है। भीलों द्वारा गवरी नृत्य के दौरान व गरासिया जाति द्वारा मांदल नृत्य के दौरान इसका प्रयोग किया जाता है।

9. निम्न में से कौनसा वाद्य धातु निर्मित्त घन वाद्य है ?
(1) खंजरी (2) मंजीरा
(3) बीन (4) कामायचा (2)

10. निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र तत् वाद्ययंत्र नहीं है ?
(1) कामयचा (2) सतारा
(3) चिकारा (4) भपंग (2)

व्याख्या– सतारा एक सुषिर वाद्ययंत्र है जो कि बाँसूरी, अलगोजा व शहनाई का मिश्रित रूप होता है।

11. निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र सुषिर वाद्ययंत्र नहीं है ?
(1) मसक (2) सतारा
(3) नड़ (4) रबाज (4)

व्याख्या– रबाज तत् वाद्ययंत्र है, यह कमायचा की तरह का होता है।

12. निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र घन वाद्ययंत्र नहीं है?
(1) बांकिया (2) रमझौल
(3) श्रीमंडल (4) लेजिम (1)

व्याख्या– बांकिया सुषिर वाद्ययंत्र है जो कि सरगड़ा जाति का खानदानी वाद्ययंत्र है।

13. निम्न में से कौनसा अवनद्य वाद्ययंत्र नहीं है?
(1) चिकारा (2) पखावज
(3) ढ़पली (4) मांदल (1)

व्याख्या– चिकारा तत् वाद्य यंत्र है।

14. चमड़े के पट्टे पर बहुत सारे घुंघरू सिले होते हैं, जिन्हे नृतकियाँ नृत्य करते समय पैरों में बाँधती हैं, क्या कहलाता है?
(1) खंजरी (2) रमझौल
(3) श्रीमंडल (4) लेजिम (2)

15. कौनसा वाद्ययंत्र जोगी, भील व ढ़ोली बजाते हैं, जो शहनाई का ही देशी वर्जन माना जाता है?
(1) टोटो (2) सींगा
(3) अलगोजा (4) नड़ (1)

16. किस कलाकार को 'नगाड़े का जादुगर' कहा जाता है?
(1) रामनाथ चौधरी (2) करणा भील
(3) हरिप्रसाद चौरसिया (4) रामकिशन सोलंकी (4)

व्याख्या– नगाड़ा भैंस के चमड़े का बना होता है। इस वाद्ययंत्र को मांगलिक अवसरों पर शहनाई के साथ बजाया जाता है। नगाड़े का एक जोड़ होता है, जिसमें एक नर व एक मादा होता है।

17. राजस्थान का कौनसा कलाकार अलगोजा वाद्ययंत्र का प्रसिद्ध कलाकार है?
(1) रामनाथ चौधरी (2) चांद मोहम्मद
(3) सदिक खां मांगणियार (4) रामकिशन सोलंकी (1)

18. राजस्थान का कौनसा कलाकार 'भपंग का जादूगर' कहलाता है?
(1) जुहुर खाँ मेवाती (2) चांद मोहम्मद
(3) अमीर मोहम्मद खाँ (4) पेपे खाँ (1)

19 राजस्थान के आभूषण

1. स्त्री के बालों की वेणी में गूंथा जाने वाला आभूषण है?
(1) चंपाकली (2) गोफण
(3) सुरलिया (4) चूड़ारत्न (2)

2. कान के ऊपरी हिस्से में छेद करके पहने जाने वाला आभूषण है?
(1) लटकन (2) बाली
(3) पीपल पत्र (4) टॉप्स (3)

व्याख्या– सोने या चाँदी का बना अंगूठी के आकार का यह आभूषण काने के ऊपरी हिस्से में छेद कर पहना जाता है, इसे 'पीपल पन्ना' भी कहा जाता है।

3. किस आभूषण का संबंध महिला के पैरों से नहीं है?
(1) नेवरी (2) आंवला
(3) पहूंचिया (4) हिरना मैन (3)

व्याख्या– पूणच/पूणची/पहूंचिया नामक आभूषण कलाई पर पहना जाता है।

4. 'रिमझोल' व 'रौळ' किस प्रकार के आभूषण हैं?
(1) कान के लटकन वाले आभूषण।
(2) स्त्रियों के पैरों का घुँघुरुदार आभूषण।
(3) स्त्रियों की नाक का आभूषण।
(4) स्त्रियों के सिर का आभूषण। (2)

व्याख्या– यह पायजेब का ही एक प्रकार है, जो मारवाड़ क्षेत्र में सर्वाधिक प्रचलित है।

5. निम्न में से कौनसा आभूषण पैरों की अंगुलियों में पहना जाता है?
(1) तकया (2) सटका
(3) बिछिया (4) चौथ (3)

व्याख्या– ये पाँव में अंगूठे के पास वाली अंगूली में पहने जाने वाली अंगूठी है, जो सुहाग का प्रतीक है। इसे बिछिया/बिछुड़ी/मच्छी या नखालियो भी कहते हैं।

6. 'मादलिया' पहना जाता है?
(1) भुजाओं पर (2) ललाट पर
(3) गले पर (4) कलाई पर (3)

7. 'कन्दोरा' नामक आभूषण औरतों द्वारा पहना जाता है?
(1) नाक में (2) कान में
(3) कमर में (4) पाँव में (3)

8. तिणमिया पहना जाता है?
(1) पुरुषों द्वारा, बाजू पर। (2) महिलाओं द्वारा गले में।
(3) महिलाओं द्वारा, ललाट पर (4) पुरुषों द्वारा, हाथ पर। (2)

9. कौनसा आभूषण नाक का आभूषण नहीं है?
(1) लौंग (2) नथ
(3) चोप (4) मादलिया (4)

व्याख्या– मादलिया– ताबीज की तरह या ढ़ोलक के आकार का बना छोटा आभूषण जो डोरी में पिरोकर गले में पहना जाता है।

10. चूंप नामक आभूषण कहाँ पहना जाता है?
(1) हाथ (2) दाँत
(3) अंगुली (4) नाक (2)

व्याख्या– दाँतों के बीच में छिद्र बनवा कर सोने की कील जड़वाना चूंप कहलाता है। जनजातियों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है।

11. 'मेमंद' आभूषण पहना जाता है?
(1) सिर पर (2) कमर पर
(3) भुजा पर (4) पैरों पर (1)

12. 'रखन' किसका आभूषण है ?
(1) गले का (2) पैर का
(3) दाँत का (4) बाजू व हाथ का (3)

13. 'फोलरी' नामक आभूषण पहना जाता है?
(1) गले में (2) पैर की अँगुली में
(3) बाजू में (4) हाथ की अँगुली में (2)

व्याख्या– फोलरी पैर की अंगूलियों में पहनने की एक अंगूठी है, जो चाँदी के तारों से फूल के आकार में बनी होती है।

14. झेला, जमेला, पीपलपत्रा, अगोटया' शरीर के किस अंग के आभूषण है?
(1) गले के (2) पैर की अँगुली के
(3) कान के (4) हाथ की अँगुली के (3)

15. पुरुषों द्वारा पहने जाने वाला आभूषण निम्न में से कौन–सा है?
(1) बोरला (2) टड्डा
(3) मुरकियाँ (4) बंगड़ी (3)

व्याख्या– मुरकी या मुरकिया पुरुषों द्वारा कान में पहनी जाती है, यह सोने या चांदी से बनी ठोस कुड़क जैसी होती है।

16. निम्नांकित में से कौन–सा आभूषण कान में पहना जाता है?
(1) टोटी (2) बूली
(3) टीका (4) रिमझोल (1)

17. निम्न में कौनसा सुमेलित नहीं है?
(1) सिर – मेमंद
(2) गला – हंसली
(3) कमर – तिमणिया
(4) पैर – रिमझोल (3)

व्याख्या– तिमणिया गले का आभूषण है।

18. राजस्थान के आभूषणों से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(1) बंगड़ी (चूड़ी) को कलाई में पहना जाता है।
(2) सुरलिया कानों में पहना जाता है।
(3) फिणी को टखने में पहना जाता है।
(4) पोलरा को पैरों में पहना जाता है। (3)

व्याख्या– फीणी नाक का आभूषण है।

19. निम्नलिखित में से कौन सा आभूषण गर्दन में पहना जाता है, परंतु नेकलेस से बड़ा और भारी होता है?
(1) थड्डा (2) टूस्सी
(3) टांका (4) सुरलिया (2)

20 राजस्थान की वेशभूषा व पहनावा

1. आदिवासियों में कटकी वस्त्र पहना जाता है?
(1) पुरुषों द्वारा
(2) विधवाओं द्वारा
(3) विवाहित स्त्रियों द्वारा
(4) अविवाहित लड़कियों द्वारा (4)

व्याख्या– कटकी आदिवासी अविवाहित लड़कियों की ओढ़नी है। इसमें लाल जमीन पर सफेद काले धागे से बूँटियां बनी होती हैं।

2. ताराभांत की ओढ़नी राजस्थान में किन स्त्रियों की लोकप्रिय वेशभूषा है?
(1) जाट महिलाओं (2) गुर्जर महिलाओं
(3) आदिवासी महिलाओं (4) राजपूत महिलाओं (3)

व्याख्या– इसकी जमीन भूरी व लाल होती है। इसके किनारों का छोर काला व तारों जैसा षटकोणिय आकृति में होता है।

3. राजस्थान की किस पोशाक को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है?
(1) जोधपुरी कोट (2) जोधपुरी पगड़ी
(3) जयपुरी साफा (4) मेवाड़ी पाग (1)

4. डुँगरशाही ओढ़नी कहाँ की प्रसिद्ध हैं?
(1) डुँगरपुर (2) जोधपुर
(3) मेवाड़ (4) बीकानेर (2)

5. निम्न में से कौनसा वस्त्र पुरुषों का नहीं है?
(1) आतमसुख (2) बुगतरी
(3) अचकन (4) नांदड़ा (4)

व्याख्या– नांदड़ा आदिवासी महिलाओं द्वारा प्रयुक्त किया जाने वाला प्राचीनतम वस्त्र है, जो शाहपुरा (भीलवाड़ा) में बनता है।

6. गरासियों में स्त्री व पुरुषों में कमीज के रूप में प्रयुक्त होने वाला वस्त्र कहलाता है?
(1) झूलकी (2) कापड़ी
(3) पटियारी (4) मांझौ (1)

7. कंजर जाति की महिलाओं द्वारा कमर तक पहना जाने वाला चुस्त पायजामा क्या कहलाता है?
(1) कापड़ी (2) झूलकी
(3) खूसनी (4) मांझौ (3)

8. कथौड़ी जनजाति की महिलाओं द्वारा मराठी शैली में पहनी जाने वाली साड़ी कहलाती है?
(1) तमोटी (2) पछेवड़ी
(3) फड़का (4) बावरा (3)

9. सहरिया जनजाति में घुटनों तक पहने जाने वाली ऊँची धोती क्या कहलाती है?
(1) घूघी (2) मदील
(3) पंछा (4) सलूका (3)

10. राजशाही पगड़ी कहाँ की प्रसिद्ध हैं?
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) कोटा (4) जयपुर (4)

व्याख्या– राजशाही– केवल एक रंग से तैयार साफा, जिसमें सफेद बूंदे होती है। सम्भवतः राजा द्वारा इस्तेमाल किये जाने के कारण इसे राजशाही कहा गया है।

11. बंधेज कला द्वारा पाँच रंगों से रंगा गया साफा क्या कहलाता है?
(1) मदील (2) मोठड़ा
(3) डोवटी (4) बावरा (4)

12. ऊन का बना वस्त्र, जो वर्षा से बचाव हेतु ओढ़ा जाता है–
(1) घुघी (2) पछेवड़ा
(3) बागौ (4) आतमसुख (1)

13. सर्दी से बचने के लिए पुरुषों द्वारा कंबल या चद्दर की तरह ओढ़ा जाने वाला वस्त्र है?
(1) घुघी (2) पछेवड़ा
(3) बागौ (4) आतमसुख (2)

14. पुरुषों के सर की घेर वाली पाग कहलाती है?
(1) ताखी (2) बरड़ी
(3) लांगदार (4) बागौ (4)

15. जामा या अंगरखी के ऊपर कमर पर बांधा जाने वाला वस्त्र, जिसमें तलवार या कटार घुसी होती है।
(1) पटका /कमरबंद (2) फड़का
(3) जामा (4) बालाबन्द (1)

16. तेज सर्दी में ऊपर से नीचे तक कश्मीरी फिरन की तरह पहने जाने वाला वस्त्र है?
(1) आतमसुख (2) घुघी
(3) पंछा (4) सलूका (1)

व्याख्या– सबसे पुराना आतमसुख सिटी पैलेस (जयपुर) में रखा है।

17. कपड़े के दो टुकडों को बीच में से जोड़कर बनाई गई चोली, जो पीठ पर तनियों से बांधी जाती है?
(1) चांदणी (2) बरड़ी
(3) कापड़ी (4) पटणी (3)

18. सलवार रूपी वस्त्र जो शरीर के नीचले हिस्से में पहना जाता है, जिसका नीचे का पायचा चौड़ा होता है?
(1) सुजनी (2) लहंगा
(3) शरारा (4) तिलका (3)

19. 'चीड़ का पोमचा' विधवा स्त्री द्वारा पहने जाने वाली काले रंग की ओढ़नी है, यह राजस्थान के किस क्षेत्र में पहना जाता है?
(1) शेखावाटी (2) हाड़ौती
(3) मेवाड़ (4) मारवाड़ (2)

20. निम्न में से पर्दानशीन औरतों के सिर पर ओढ़ने का सफेद वस्त्र है?
(1) अवोचण (2) पछेवड़ी
(3) तमोटी (4) गंगाजली (1)

21. मामा द्वारा विवाह के अवसर पर अपनी भांजी के लिए लाई गई चुनरी क्या कहलाती है?
(1) एरंडी (2) कटारी भांत
(3) कंवरजोड़ (4) मामाजोड़ (3)

22. लंगोटिया भीलों में पुरुषों द्वारा कमर पर बाँधी जाने वाली लंगोटी क्या कहलाती है?
(1) ढ़ेपाड़ा (2) फालू
(3) पोत्या (4) खोयतु (4)

21 राजस्थान की प्रथाएँ व रीति–रिवाज

1. विवाह के समय वधू के लिए वर पक्ष द्वारा लाये गये कपड़े व आभूषण क्या कहलाते हैं?
(1) मायरा (2) बरी
(3) बेस (4) कांकण डोरा (2)

2. राजस्थान की किस रियासत ने सर्वप्रथम कन्यावध पर रोक लगाई थी?
(1) कोटा (2) जयपुर
(3) बूँदी (4) बीकानेर (1)

व्याख्या– कन्यावध पर सर्वप्रथम कोटा रियासत में महाराव रामसिंह द्वितीय के समय अंग्रेज पॉलिटिकल एजेंट विलकिंसन के प्रयासों से 1833 में रोक लगायी गयी।

3. मेवाड़ रियासत में डाकण प्रथा पर रोक लगाने के वक्त मेवाड़ के महाराणा कौन थे?
(1) महाराणा फतेहसिह (2) महाराणा सज्जनसिंह
(3) महाराणा राजसिंह (4) महाराणा स्वरूप सिंह (4)

व्याख्या– मेवाड़ रियासत में महाराणा स्वरूप सिंह ने 1853 ई. में इस प्रथा पर सर्वप्रथम रोक लगाई।

4. सांसी जनजाति में शादी होने पर युवती को अपनी चारित्रिक पवित्रता की परीक्षा देने की रस्म क्या कहलाती है?
(1) चारी प्रथा (2) कुकड़ी की रस्म
(3) अग्नि रस्म (4) चर भर की रस्म (2)

5. मारवाड़ में किसी खास मौके पर अफीम गलाने व एक दूसरे को देने की रस्म क्या कहलाती है?
(1) हलोटा (2) डाण
(3) अखराई (4) रियाण (4)

6. राजस्थान में त्याग प्रथा पर सर्वप्रथम रोक लगाने वाली रियासत है?
(1) कोटा (2) जयपुर
(3) जोधपुर (4) बीकानेर (3)

व्याख्या– त्याग प्रथा पर सर्वप्रथम प्रतिबंध जोधपुर में महाराजा मानसिंह के समय 1841 ई. में लगाई गयी।

7. राजस्थानी संस्कृति में वर पक्ष की ओर से दिया जाने वाला भोज क्या कहलाता है?
(1) मौसर (2) सवामणी
(3) जनोटण (4) धोवण (3)

8. राजस्थान में विवाह के अवसर पर नववधू के साथ जाने वाली लड़की या स्त्री क्या कहलाती है?
(1) गजरी (2) ओलन्दी
(3) डोवटी (4) मेहर (2)

9. शिशु जन्म के अवसर पर वह रस्म जिसमें पूजा के लिए गाँव के कुएँ या जलस्रोत पर एक शोभायात्रा के साथ जच्चा को ले जाया जाता है?
(1) जलवा पूजन (2) पानी पूजन
(3) मटकी पूजन (4) चूड़ा पूजन (1)

10. आदिवासी क्षेत्र में किसी व्यक्ति की संदिग्ध मृत्यु होने पर मृत्यु स्थान के स्वामी या आरोपी से हर्जाना लेने की परम्परा क्या कहलाती है?
(1) मौताणा (2) नाता
(3) महर (4) मूकाण (1)

11. सागड़ी प्रथा से तात्पर्य है?
(1) बंधुआ मजदूर प्रथा
(2) मृत्यु के बाहरवें दिन का भोज
(3) विवाह पश्चात बारात को भेंट देना
(4) मृत्यु के तीसरे दिन की शोक सभा (1)

व्याख्या– सागड़ी या बंधुआ मजदूर प्रथा उधार दी गई राशि के बदले उस व्यक्ति से नौकर की तरह कार्य करवाने से सम्बन्धित है। इनसे खेतों में काम करवाना 'हाली प्रथा' व घर में काम करवाना 'चाकर प्रथा' कहलाता था।

12. निम्न में से कौनसी प्रथा मृत्यु से संबंधित नहीं है?
(1) भदर होना (2) उठावना
(3) रस्म पगड़ी (4) दस्तूर (4)

व्याख्या– दस्तूर विवाह से संबंधित रस्म है।

13. राजस्थान में स्त्री पुरुषों को दासों के रूप में रखने की परम्परा को क्या कहते है?
(1) नाता (2) गोला
(3) महर (4) दापा (2)

14. मेवाड़ रियासत में मेवाड़ के महाराणा के प्रति स्थायी भक्ति की शपथ लेना क्या कहलाती थी?
(1) आन प्रथा (2) तागा करना
(3) वधारा देना (4) प्राण प्रथा (1)

15. कौनसी रस्म विवाह से सम्बन्धित नहीं है?
(1) कांकण डोरा (2) पहरावणी
(3) बरी पड़ला (4) मोकाण (4)

व्याख्या– मोकाण, मृतक के रिश्तेदारों द्वारा मृतक के परिजनों को सांत्वना देने के लिये आने को कहा जाता है।

16. राजस्थान में अंतिम सती होने की घटना किस जिले की है?
(1) सीकर (2) झुंझुनूं
(3) जयपुर (4) चुरू (1)

व्याख्या– राजस्थान की अंतिम सती सीकर जिले के देवराला गांव की रूपकँवर नामक महिला थी।

17. आदिवासियों में किस प्रथा के तहत पत्नी अपने पति को छोड़कर किसी अन्य पुरुष के साथ रह सकती है?
(1) डावरी प्रथा (2) सिरावन
(3) नाता (4) सामेला (3)

18. राजस्थान में बाल विवाह पर सर्वप्रथम रोक लगाने वाली रियासत है?
(1) कोटा (2) जयपुर
(3) जोधपुर (4) मेवाड़ (3)

व्याख्या– बालविवाह पर सर्वप्रथम जोधपुर के प्रधानमंत्री सर प्रताप ने 1885 ई.में रोक लगाई ।

19. सर्वप्रथम राजस्थान की किस रियासत ने सती प्रथा को गैरकानूनी घोषित किया था?
(1) कोटा (2) जयपुर
(3) बूँदी (4) मेवाड़ (3)

22 राजस्थान की जनजातियाँ

1. भील का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(1) मछली (2) तीर चलाने वाला
(3) कमान (4) भाई (2)

2. मीणा का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(1) मछली (2) माँ
(3) तीर चलाने वाला (4) जनजाति (1)

3. 'धारी संस्कार' किस आदिवासी जनजाति में प्रचलित है?
(1) सहरिया (2) गरासिया
(3) भील (4) मीणा (1)

4. सहरिया समाज की आस्था का प्रमुख केन्द्र है?
(1) कपिल मुनि मन्दिर(कोलायत)
(2) महर्षि वाल्मिकी मन्दिर (प्रतापगढ)
(3) महर्षि वाल्मिकी मन्दिर केलवाड़ा(बारां)
(4) इनमें से कोई नहीं (3)

व्याख्या– सीताबाड़ी स्थित वाल्मिकी आश्रम व वाल्मिकी मंदिर सहरियों का तीर्थ स्थान है।

5. घने वनों में निवास करने वाले सहरिया परिवार के लोग पेड़ों पर मचाननुमा झोपड़ी बनाते हैं उसको किस नाम से जाना जाता है?
(1) टोपा (2) कोरूआ
(3) कू (4) 1 व 2 दोनों (4)

6. किस जनजाति में प्रेम विवाह का प्रचलन सबसे अधिक है?
(1) गरासिया (2) सहरिया
(3) कथौडी (4) सांसी (1)

व्याख्या– इस जनजाति के लोग मेले में जीवनसाथी चुनतें है, इनमें विधवा विवाह का भी प्रचलन है तथा अत्यधिक पत्नी रखना सम्पन्नता का प्रतीक माना जाता है।

7. पाली का सोजत क्षेत्र किसलिए प्रसिद्ध है?
(1) सहरियो की फाग (2) गरासियों की फाग ओढ़नी
(3) सांसी जनजाति का तीर्थ (4) कावड़ निर्माण के लिए(2)

8. भीलों को वनपुत्र किसने कहा?
(1) डॉ टेसीतोरी (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) बिलियम बैंटिक (4) थॉमसन (2)

9. मैदानी भागों में की जाने वाली कृषि 'दजिया' कौनसी जनजाति के लोग सर्वाधिक करते है?
(1) मीणा (2) सांसी
(3) भील (4) कथौडी (3)

व्याख्या– दजिया– भीलों द्वारा मैदानी भागों में जंगल को काटकर या जलाकर की जाने वाली स्थानांतरित कृषि 'दजिया' कहलाती है।

10. आदिवासियों का कुम्भ किस मेले को कहते है?
(1) बेणेश्वर मेला (2) आसापुरी माता
(3) वाल्मिकी मेला (4) दशहरा मेला (1)

व्याख्या– बेणेश्वर मेला, डूँगरपुर की आसपुरा तहसील के नवाटापरा में माघ पूर्णिमा को भरता है।

11. 'हाथीमना नृत्य' किस जनजाति द्वारा सर्वाधिक किया जाता है?
(1) सांसी (2) भील
(3) मीणा (4) सहरिया (2)

व्याख्या– भील जनजाति के मुख्य नृत्य निम्न हैं– गैर, गवरी/राई, नेजा, द्विचक्री, हाथीमना, भगोरिया , घुमरा ,युद्ध, शिकार, सूकर व रमणी आदि।

12. राजस्थान में सर्वाधिक मीणा जाति के लोग कहाँ निवास करते है?
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) बांरा (2)

व्याख्या– राजस्थान में सर्वाधिक मीणा जनसंख्या वाले इस प्रकार हैं– उदयपुर (7.18 लाख), जयपुर (4.67 लाख), प्रतापगढ़ (4.47 लाख)।

13. मीणा जनजाति के प्रसिद्ध पांच कबीलों को किस नाम से जाना जाता है?
(1) पाँच सितारे (2) पंचलड़ा
(3) पंचवाड़ा (4) पंचायत (3)

14. 'फला' किसे कहते है?
(1) भीलों के घरों का समूह
(2) मीणाओं के घरों को
(3) आदिवासियों की महापंचायत को
(4) भीलों के कुल देवता (1)

15. 'छेड़ा फाड़ना' से संबंधित है?
(1) आदिवासी जनजाति में तलाक की परम्परा
(2) कपड़े का टूकड़ा करना
(3) आदिवासियों का परिवार से अलग होना
(4) युद्ध करते हुए मारे जाना (1)

16. भीलों का सबसे प्रमुख त्योहार है?
(1) होली (2) रक्षाबन्धन
(3) दीपावली (4) शिवरात्रि (1)

17. 'काट्टा' क्या है?
(1) भीलों का अन्तिम संस्कार
(2) भीलों का मृत्युभोज
(3) मीणाओं का अन्तिम मृत्युभोज
(4) सांसी जनजाति द्वारा किया गया शिकार (2)

18. आदिवासियों के कुम्भ के नाम से प्रसिद्ध बेणेश्वर मेला कब लगता है?
(1) कार्तिक पूर्णिमा (2) माघ पूर्णिमा
(3) चैत्रा शुक्ल तृतीया (4) आश्विन पूर्णिमा (2)

19. भील पुरुषों की तंग धोती को क्या कहा जाता है?
(1) ढ़ेपाड़ी (2) ढ़ेपाड़ा
(3) मिलाला (4) माट्टा (2)

व्याख्या– भील पुरुषों के प्रमुख वस्त्र– खोयतु(लंगोटी), ढ़ेपाड़ा /ठेपाड़ा(धोती), फेंटा, पोत्या, फालू(कमर पर बांधने का अंगोछा) आदि।

20. भील पुरुषों द्वारा सिर को ढकने का सफेद वस्त्र क्या कहलाता है?
(1) पोत्या (2) पगड़ी
(3) अंगोछा (4) ढेपाड़ा (1)

23 राजस्थानी भाषा व बोलियाँ

1. मेवाती बोली से संबंधित जिला है?
(1) भीलवाड़ा (2) अलवर
(3) जयपुर (4) झालावाड़ (2)

व्याख्या– मेवाती बोली मुख्यतः अलवर व भरतपुर में बोली जाती है। इसमें ब्रज व मरू भाषा का सम्मिश्रण है।

2. किस बोली को 'भीलों की बोली' कहा जाता है?
(1) ढूंढाड़ी (2) मालवी
(3) अहीरवाटी (4) बागड़ी (4)

व्याख्या– जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने इसे 'भीली' बोली कहा है, यह मुख्यतः बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़ व सिरोही में बोली जाती है।

3. मालवी बोली कहाँ बोली जाती है?
(1) झालावाड़, प्रतापगढ़, कोटा,
(2) प्रतापगढ़, बूँदी, कोटा
(3) बूँदी, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा
(4) भीलवाड़ा, प्रतापगढ़, राजसंमद (1)

4. दादु पंथ का अधिकांश साहित्य किस बोली में है?
(1) ढूंढ़ाड़ी (2) मालवी
(3) मारवाड़ी (4) मेवाती (1)

5. चारण कवियों द्वारा प्रयुक्त राजस्थानी भाषा का साहित्यिक रूप है ?
(1) पिंगल (2) डिंगल (3) ब्रज (4) सधुक्कड़ी (2)

6. कौनसी बोली मारवाड़ी की उपबोली नहीं है?
(1) नागरचोल (2) बीकानेरी (3) जोधपुरी (4) थली (1)

व्याख्या– नागरचोल ढूँढाड़ी की उपबोली है।

7. उदयपुर, चितौड़गढ़ में कौनसी बोली का प्रचलन है?
(1) मालवी (2) बागड़ी
(3) मेवाड़ी (4) मेवाती (3)

8. राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी भाग में किस बोली का प्रचलन है?
(1) हाड़ौती (2) बागड़ी
(3) नागरचोल (4) मेवाती (1)

व्याख्या– हाड़ौती बोली कोटा,बूँदी,बारां,झालावाड़ में बोली जाती है। इसका निर्माण मेवाड़ी और गुजराती भाषाओं के मिश्रण से हुआ है। वर्तनी की दृष्टि से राजस्थानी की सभी बोलियों में सबसे कठिन मानी जाती है। हाड़ौती बोली में लिखित साहित्य बहुत कम उपलब्ध है।

9. मारवाड़ी भाषा का विशुद्ध रूप कहाँ दृष्टिगत होता है?
(1) सिरोही और उसके समीपवर्ती क्षेत्र में
(2) जोधपुर और उसके समीपवर्ती क्षेत्र में
(3) बीकानेर और उसके समीपवर्ती क्षेत्र में
(4) चुरू और उसके समीपवर्ती क्षेत्र में (2)

व्याख्या– मेवाड़ क्षेत्र में विशेषकर राजसमंद, उदयपुर, चितौड़गढ़ व भीलवाड़ा जिलों में बोली जाती है। मारवाड़ी के बाद यह राजस्थान की दुसरी महत्वपूर्ण बोली है।

10. वीर रस में डिंगल काव्य की रचना का श्रेय किस जाति को है?
(1) गुर्जर (2) राजपूत
(3) ओसवाल (4) चारण व भाटों को (4)

11. निम्न में से किस जिले में मेवाड़ी नहीं बोली जाती है?
(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) भीलवाड़ा (4) चितौड़गढ़ (2)

व्याख्या– मेवाड़ी बोली मेवाड़ क्षेत्र में विशेषकर राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा जिलों में बोली जाती है।

12. सोडवाड़ी, पाटवी, रतलामी, उमठवाटी आदि मुख्य उपबोलियाँ है?
(1) ढूंढाड़ी (2) मालवी
(3) मारवाड़ी (4) मेवाती (2)

13. बोली व उनसे संबधित कौनसा युग्म गलत है?
(1) जगरौती– करौली (2) ढ़ाटी– जालौर
(3) नागरचोल– टोंक (4) धावड़ी– उदयपुर (2)

व्याख्या– ढ़ाटी बोली बाड़मेर क्षेत्र की बोली है, यह मारवाड़ी की उपबोली है।

14. ग्रियर्सन ने बागड़ (डूँगरपुर–बाँसवाड़ा) में बोली जाने वाली बोली को कहा है?
(1) भीली (2) रांगड़ी
(3) मेवाड़ी (4) निमाड़ी (1)

15. कौनसी बोली राजस्थानी बोलियों के अन्तर्गत नहीं गिनी जाती?
(1) मेवाती (2) ब्रज
(3) अहीरवाटी (4) बागड़ी (2)

व्याख्या– ब्रज भाषा मूलतः उत्तरप्रदेश की बोली है, लेकिन सीमावर्ती जिले होने के कारण इसका प्रभाव भरतपुर व धौलपुर जिलों में भी है।

16. खेराड़ी बोली किस क्षेत्र में प्रचलित है?
(1) जयपुर–दौसा (2) राजसमंद–चितौड़
(3) दौसा– करौली (4) टोंक–भीलवाड़ा (4)

17. निमाड़ी व रांगड़ी किस बोली की उपबोली है?
(1) मेवाती (2) मालवी
(3) हाड़ौती (4) अहीरवाटी (2)

व्याख्या– मालवी की उपबोलियाँ– निमाड़ी, रांगड़ी, सोडवाड़ी, पाटवी, रतलामी व उमठवाटी हैं।

18. निम्न में से किस जिले में गोडवाड़ी बोली बोली जाती है ?
(1) जालौर (2) जैसलमेर
(3) अजमेर (4) नागौर (1)

19. जगरौती बोली का क्षेत्र है?
(1) करौली (2) उदयपुर
(3) पाली (4) सिरोही (1)

20. राजस्थानी भाषा की लिपि है?
(1) देवनागरी (2) गुरूमुखी
(3) महाजनी (4) बुस्टोफिदन (3)

21. राजस्थानी बोलियों का सर्वप्रथम वर्गीकरण करने वाले विद्वान थे?
(1) कर्नल जेम्स टॉड (2) एल. पी टेस्सीतोरी
(3) जार्ज ग्रियर्सन (4) मोतीलाल मेनारिया (3)

व्याख्या– जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने 1912 में अपनी पुस्तक 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंण्डिया' में राजस्थानी बोलियों का वर्गीकरण 5 भागों में किया है।

24 राजस्थान के प्रमुख साहित्यकार एवं पुस्तकें

1. महापुरुष अथवा वीरों के विशेष कार्यों को वर्णित करने वाली रचनाएँ कहलाती है?
(1) विगत (2) पवाड़ा
(3) विशाला (4) वेलि (2)

2. सर्वप्रथम राजस्थानी भाषा का शब्द–कोष किसने तैयार किया?
(1) सीताराम लालस (2) महेन्द्र लालस
(3) जयनारायण व्यास (4) विजयदान देथा (1)

व्याख्या– जोधपुर के नैरवा के निवासी सीताराम लालस ने 'राजस्थानी भाषा का शब्दकोष' लिखा।

3. विजयपाल रासो के रचयिता है?
(1) शारंगधर (2) नल्ह सिंह
(3) नरपति नाल्ह (4) चन्दवरदाई (2)

व्याख्या–यह पिंगल भाषा में वीर रसात्मक काव्य है। इसमें करौली के प्रतापी राजा विजयपाल के युद्धों का वर्णन मिलता है।

4. 'सतसैया के दोहरे, ज्यों नाविक के तीर' उक्त पंक्ति किसके दोहों के बारे में कही गई है?
(1) रहीम (2) सूर्यमल्ल मिश्रण
(3) बिहारी (4) मतिराम (3)

5. 'प्रत्यक्ष जीवनशास्त्र' के रचयिता थे?
(1) पं. हीरालाल शास्त्री (2) जयनारायण व्यास
(3) गोकुल भाई भट्ट (4) जमनालाल बजाज (1)

6. 'वेलि क्रिसन रूकमणि री' किसकी रचना है?
(1) पृथ्वीराज चौहान तृतीय (2) पृथ्वीराज राठौड़
(3) सूर्यमल्ल मिश्रण (4) मुहणोत नैणसी (2)

व्याख्या– 'वेलि क्रिसन रूकमणि री' रचना पृथ्वीराज राठौड़ ने गागरोन दुर्ग (झालावाड़) में रहकर की थी। यह शृंगार रस प्रधान ग्रंथ है। इसमें श्री कृष्ण व रूकमणि के विवाह की कथा वर्णित है।

7. 'घरौंदा', 'मुर्दो का टीला', 'अंधेरे में जुगनू, 'कब तक पुकारूं' इत्यादि किसकी रचनाएँ हैं?
(1) मरूधर मृदुल (2) जबरनाथ पुरोहित
(3) रांगेय राघव (4) मणि मधुकर (3)

8. सुमेलित कीजिये–

पुस्तक	लेखक
क. राजवल्लभ	1. जयानक
ख. खुमाण रासो	2. सूर्यमल्ल मिश्रण
ग. वीर सतसई	3. दलपत विजय
घ. कान्हड़दे प्रबंध	4. पद्मनाभ
ड. पृथ्वीराज विजय	5. मण्डन

	क	ख	ग	घ	ड.
(1)	1	2	3	4	5
(2)	5	3	2	4	1
(3)	5	3	4	2	1
(4)	5	4	3	2	1 (2)

9. 'धर्मजुद्ध' व 'बोल म्हारी मछली कित्तो पाणी' नाटकों के रचयिता जोधपुर निवासी लेखक है?
(1) सोहनदान चारण (2) चन्द्र प्रकाश देवल
(3) अर्जुन पाल शर्मा (4) अर्जुन देव चारण (4)

10. हिन्दी में पहली बार भारतीय लिपि शास्त्र का लेखन करने वाले राजस्थानी थे?
(1) डॉ. सीताराम लालस (2) डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
(3) पं. हीरालाल शास्त्री (4) अचलेश्वर प्रसाद शर्मा (2)

11. 'आजादी के दीवाने' के रचयिता हैं?
(1) सागरमल गोपा (2) जयनारायण व्यास
(3) केसरी सिंह बारहठ (4) विजयसिंह पथिक (1)

12. 'भाषाभूषण' ग्रन्थ के रचयिता कौन थे?
(1) सवाई जयसिंह (2) जसवंतसिंह राठौड़ प्रथम
(3) अनूपसिंह (4) राणा कुम्भा (2)

13. कर्नल जेम्स टॉड के इतिहास ग्रंथ 'ऐनाल्स एण्ड एण्टीक्विटीज ऑफ राजस्थान' का हिन्दी में अनुवाद किसने किया?
(1) कविराजा श्यामल दास (2) गोपीनाथ शर्मा
(3) गौरीशंकर हीराचन्द औझा (4) दुरसा आढ़ा (3)

व्याख्या– गौरीशंकर हीराचन्द औझा का जन्म 1863 ई. में रोहिड़ा गाँव (सिरोही) में हुआ था। 1908 ई. में इन्हें 'राजपूताना म्यूजियम' अजमेर का क्यूरेटर बनाया गया। 1911 में इन्होनें सिरोही राज्य का इतिहास लिखा।

14. पद्मावत के लेखक कौन थे?
(1) चन्दवरदाई (2) मलिक मुहम्मद जायसी
(3) सूर्यमल्ल मिश्रण (4) जयानक (2)

15. 'राव जैतसी रो छंद' की रचना किसने की?
(1) सूर्यमल्ल मिश्रण (2) जैत्रसिंह
(3) बीठु सूजा (4) मण्डन (3)

16. 'राग माला', 'राग मंजरी', 'नर्तन निर्णय' ग्रन्थों की रचना किसने की?
(1) पुण्डरीक विट्ठल (2) पुण्डरीक रत्नाकर
(3) मण्डन (4) कृष्णानन्द व्यास (1)

17. अगर आपको बूँदी के राजवंश के बारे में जानना है, तो निम्न में से कौन–सा ग्रन्थ पढ़ेंगें?
(1) कांन्हडदे प्रबंध (2) वंश भास्कर
(3) राज रत्नाकर (4) भाषा भूषण (2)

व्याख्या– सूर्यमल्ल मिश्रण द्वारा महाराव रामसिंह के कहने पर 1840 ई. में वंश भास्कर लिखना प्रारम्भ किया गया, परन्तु महाराव से अनबन होने पर 1856 में लिखना बंद कर दिया। इसके बाद इनके दत्तक पुत्र मुरारीदान ने इसे पुरा किया। इसमें बूँदी रियासत का पद्यात्मक इतिहास है। इसके अलावा राजस्थान की अन्य रियासतों का भी वर्णन मिलता है।

18. करणीदान कविया की कौन सी रचना जोधपुर नरेशों से संबंधित है?
(1) बलवन्त विलास (2) मारवाड़ रा परगना री विगत
(3) सूरज प्रकाश (4) गुण जोधायण (3)

25 राजस्थान की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ

1. समाचार पत्र जिसका प्रकाशन राजस्थान सेवा संघ ने अजमेर से किया?
(1) नवीन राजस्थान (2) प्रताप
(3) राजपूताना गजट (4) राजस्थान केसरी (1)

व्याख्या– इस साप्ताहिक समाचार पत्र का प्रकाशन राजनीतिक जागरूकता फैलाने हेतु किया गया था।

2. 'त्याग भूमि' के संपादक कौन थे?
(1) जयनारायण व्यास (2) हरिभाऊ उपाध्याय
(3) विजय सिंह पथिक (4) कन्हैयालाल (2)

व्याख्या– इस समाचार पत्र का प्रकाशन राजस्थान सेवा संघ द्वारा (1927) अजमेर से किया गया।

3. 'अखण्ड भारत' समाचार पत्र का प्रकाशन किसने किया?
(1) विजय सिंह पथिक (2) ऋषि दत्त मेहता
(3) जयनारायण व्यास (4) सागरमल गोपा (3)

व्याख्या– अखण्ड भारत समाचार पत्र का प्रकाशन जयनारायण व्यास ने सन् 1936 में बम्बई से किया था।

4. किस पत्रिका का प्रकाशन 'राजस्थान साहित्य अकादमी' (उदयपुर) द्वारा किया जाता है?
(1) मधुमती (2) मरूवाणी
(3) राजस्थान सुजस (4) रिहाण (1)

5. 'नवीन राजस्थान' समाचार पत्र के संस्थापक थे?
(1) विजय सिंह पथिक (2) ऋषि दत्त मेहता
(3) जयनारायण व्यास (4) सागरमल गोपा (1)

6. कोटा से छपने वाली किस पत्रिका पर राजस्थान सरकार द्वारा रोक लगा दी गई?
(1) सम्बोधन (2) नखलिस्तान
(3) तहरीक–ए–मिल्लत (4) वरदा (3)

7. निम्न में से किस समाचार पत्र का प्रकाशन विजयसिंह पथिक द्वारा नहीं किया गया?
(1) राजस्थान केसरी (2) नवजीवन
(3) नवीन राजस्थान (4) तरूण राजस्थान (2)

व्याख्या– नवजीवन समाचार पत्र का प्रकाशन 1938 ई. में नारायण सिंह एवं कनक मधुकर द्वारा अजमेर से किया गया।

8. 1920 के दशक में राजनीतिक जागरण के उद्देश्य से किसने ब्यावर से 'राजस्थान' अखबार का प्रकाशन किया?
(1) विजय सिंह पथिक (2) ऋषि दत्त मेहता
(3) जयनारायण व्यास (4) सागरमल गोपा (2)

व्याख्या– ऋषि दत्त मेहता ने सन् 1923 में ब्यावर से राजस्थान नामक समाचार पत्र प्रारम्भ किया।

9. 19वीं सदी में 'राजपूताना समाचार' नामक साप्ताहिक पत्र हिन्दी व उर्दू में किसके द्वारा संपादित किया गया?
(1) जयनारायण व्यास (2) ऋषि दत्त मेहता
(3) विजय सिंह पथिक (4) मास्टर कन्हैयालाल (4)

व्याख्या– राजपूताना अखबार का जयपुर से कन्हैयालाल के संपादन में रोजतुल तालीम या राजपूताना अखबार के नाम से 1856 ई. में प्रकाशित हुआ। यह द्विभाषी समाचार पत्र था।

10. स्वतंत्रता पूर्व राजस्थान का निम्नलिखित में से कौनसा समाचार पत्र आर्य समाजी विचारधारा का समर्थक नहीं था।
(1) राजपूताना गजट (2) जनहित कारक
(3) परोपकारक (4) देश हितैषी (1)

व्याख्या– राजपूताना गजट मौलवी मुराद अली द्वारा अजमेर से प्रकाशित किया गया था।

11. नवजीवन समाचार पत्र का प्रकाशन कहाँ से हुआ था?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) अजमेर (4) बीकानेर (3)

12. 'मरूवाणी' क्या है?
(1) राजस्थानी भाषा का लोकगीत
(2) राजस्थान का लोकनृत्य
(3) चुरू से प्रसारित आकाशवाणी कार्यक्रम
(4) राजस्थानी भाषा की पत्रिका (4)

व्याख्या– मरूवाणी का प्रकाशन राजस्थानी प्रचारिणी सभा जयपुर द्वारा किया जाता है।

13. राजस्थान में 'पत्रकारिता के भीष्म पितामह' कहलाते हैं?
(1) गौरीशंकर उपाध्याय (2) पंडित झाबरमल शर्मा
(3) जयनारायण व्यास (4) पं. देवी शंकर तिवाड़ी (2)

14. 'राजस्थान टाइम्स' नामक समाचार पत्र का संपादन कहाँ से हुआ था?
(1) अजमेर (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) जोधपुर (1)

व्याख्या– राजस्थान टाइम्स का प्रकाशन 1885 ई. में अजमेर से बक्शी लक्ष्मणदास ने अंग्रेजी भाषा में किया। राजस्थान पत्रिका इसी का हिन्दी संस्करण था।

15. राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर द्वारा प्रकाशित पत्रिका है?
(1) लहर (2) रिहाण
(3) नखलिस्तान (4) तहरीक–ए–मिल्लत (3)

16. राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी जयपुर द्वारा प्रकाशित पत्रिका है?
(1) वरदा (2) हरावल
(3) रिहाण (4) ब्रज शतदल (4)

17. राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर द्वारा प्रकाशित पत्रिका है?
(1) स्वर मंगला (2) स्वर बिन्दु
(3) कविता (4) वातायन (1)

18. मरूवाणी पत्रिका कहाँ से प्रकाशित होती है?
(1) भरतपुर (2) जयपुर
(3) पिलानी (4) जोधपुर (2)

व्याख्या– मरूवाणी पत्रिका का प्रकाशन राजस्थान प्रचारिणी सभा (जयपुर) द्वारा किया जाता है।

26 राजस्थान की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएँ

1. नीचे दिए गए युग्मों में से असुमेलित युग्म छांटिए–
(1) राजस्थान भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी– बीकानेर
(2) पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र– उदयपुर
(3) राजस्थान ललित कला अकादमी– जयपुर
(4) राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान–अजमेर (4)

व्याख्या– राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर में स्थित हैं।

2. नीचे दिए गए युग्मों में से असुमेलित युग्म छांटिए–

अकादमी	स्थापना वर्ष
(1) राजस्थान साहित्य अकादमी–	1. 1958
(2) राजस्थान उर्दू अकादमी–	2. 1979
(3) राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी–	3. 1969
(4) अरबी फारसी शोध संस्थान–	4. 1975 (4)

व्याख्या– अरबी फारसी शोध संस्थान की स्थापना 4 दिसम्बर 1978 को हुई थी।

3. राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(1) जोधपुर (2) अजमेर
(3) जयपुर (4) बीकानेर (1)

व्याख्या– राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान की स्थापना 1950 को जयपुर में की गई थी तथा 1958 में इसे जोधपुर स्थानान्तरित कर दिया गया था।

4. निम्न में से कौन सी संस्था कठपुतली कला को राजस्थान में संरक्षण–संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जानी जाती है?
(1) ललित कला अकादमी (जयपुर)
(2) भारतीय लोक कला मंडल (उदयपुर)
(3) राजस्थान संगीत संस्थान (जयपुर)
(4) रवीन्द्र रंगमच (बीकानेर) (2)

5. भारतीय लोक कला मंडल स्थित है?
(1) जयपुर (2) अजमेर
(3) जोधपुर (4) उदयपुर (4)

6. अरबी–फारसी शोध संस्थान कहाँ स्थित है?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) टोंक (4) कोटा (3)

7. राजस्थान राज्य अभिलेखागार कहाँ स्थित है?
(1) जोधपुर (2) बीकानेर
(3) अजमेर (4) कोटा (2)

व्याख्या–राजस्थान राज्य अभिलेखागार की स्थापना 1955 में जयपुर में की गई, 1960 में इसे बीकानेर में स्थानान्तरित किया गया। यहाँ स्थायी महत्व के अभिलेखों को सुरक्षित किया गया है।

8. माणिक्यलाल आदिम जाति शोध संस्थान कहाँ स्थित है?
(1) उदयपुर (2) बाँसवाड़ा
(3) प्रतापगढ़ (4) चित्तौड़गढ़ (1)

9. राजस्थान सिंधी अकादमी कहाँ स्थित है?
(1) कोटा (2) जोधपुर
(3) भरतपुर (4) जयपुर (4)

व्याख्या– राजस्थान सिंधी अकादमी की स्थापना 1979 को जयपुर में की गई। यह संस्था 'रिहाण' नामक वार्षिक साहित्यिक पत्रिका निकालती है।

10. राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी कहाँ है?
(1) अजमेर (2) जयपुर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर (2)

व्याख्या– राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की स्थापना 15 जुलाई, 1969 को की गई। यह संस्था विविध विषयों की विश्वविद्यालय स्तरीय पुस्तकों व संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन करती है।

11. जयपुर में अधिकांश सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित होती है?
(1) अल्बर्ट हॉल (2) राजस्थान संगीत संस्थान
(3) रवीन्द्र मंच (4) जवाहर कला केन्द्र (4)

12. राज्य की पारम्परिक एवं विलुप्त हो रही कलाओं के संरक्षण, खोज एवं संवर्द्धन करने और उनका समन्वित विकास करने के उद्देश्य से स्थापित संस्था है?
(1) जयपुर कत्थक केन्द्र
(2) गुरूनानक संस्थान (जयपुर)
(3) राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
(4) भारतीय लोक कला मण्डल (उदयपुर) (4)

व्याख्या– भारतीय लोक कला मण्डल की स्थापना 1952 में श्री देवीलाल सामर द्वारा की गई। यह संस्था विभिन्न लोक कलाओं, कठपुतली नृत्य के प्रचार–प्रसार व संरक्षण का कार्य करती है।

13. ऐतिहासिक प्रमाणों, दस्तावेजों, पत्रों, मुगल फरमानों एवं हस्तचित्रित तस्वीरों के एलबम के अध्ययन हेतु संग्रहण स्थित है?
(1) राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान(जोधपुर)
(2) राजस्थानी शोध संस्थान(जोधपुर)
(3) राजस्थान राज्य अभिलेखागार(बीकानेर) (3)
(4) भारतीय लोक कला मंडल(जोधपुर)

14. राजस्थान साहित्य अकादमी का सर्वोच्च पुरस्कार है?
(1) माघ पुरस्कार (2) मीरां पुरस्कार
(3) मरूवाणी पुरस्कार (4) सूर्यमल्ल मिश्रण पुरस्कार (2)

15. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी कहाँ है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर (3)

16. राजस्थान संस्कृत अकादमी कहाँ स्थित है?
(1) बीकानेर (2) जयपुर (3) अजमेर (4) भरतपुर (2)

व्याख्या– राजस्थान संस्कृत अकादमी की स्थापना 1980 को जयपुर में की गई थी।

17. पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) उदयपुर (4) बीकानेर (3)

18. लोक संस्कृति संग्रहालय कहाँ पर स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) बीकानेर (4) नागौर (2)

27 राजस्थान के प्रमुख संग्रहालय

1. हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप संग्रहालय की स्थापना किसके द्वारा की गई?
(1) अरविन्द सिंह मेवाड़ (2) कोमल कोठारी
(3) मोहन श्रीमाली (4) देवीलाल सामर (3)

2. अल्बर्ट हॉल कहाँ स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) कोटा (4) अजमेर (2)

3. स्वामी केशवानन्द स्मारक संग्रहालय किस जिले में स्थित है?
(1) बीकानेर (2) सीकर
(3) हनुमानगढ़ (4) जयपुर (3)

व्याख्या– हनुमानगढ़ के संगरिया में स्थित इस संग्रहालय का सही नाम 'सर छोटुराम स्मारक संग्रहालय' है। इसकी स्थापना स्वामी केशवानन्द ने 1938 ई. में की थी।

4. श्री सरस्वती पुस्तकालय, जो अलभ्य एवं दुर्लभ साहित्य का अप्रतिम खजाना हैं, स्थित है?
(1) उदयपुर (2) फतेहपुर (सीकर)
(3) पिलानी (झुंझुनू) (4) सरदारशहर (चुरू) (2)

5. 'गंगा गोल्डन जुबली संग्रहालय' कहाँ स्थित है?
(1) गंगानगर (2) बीकानेर
(3) जयपुर (4) जोधपुर (2)

व्याख्या– महाराजा गंगासिंह की गोल्डन जुबली के अवसर पर 5 नवम्बर 1937 को वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो ने इसका उद्घाटन किया था।

6. राजपूताना म्यूजियम कहाँ स्थित है?
(1) जयपुर (2) कोटा
(3) जोधपुर (4) अजमेर (4)

व्याख्या– अजमेर के मैगजीन दुर्ग में स्थित राजकीय संग्रहालय का उद्घाटन 19 अक्टूबर, 1908 को राजपूताना के तत्कालीन एजीजी कॉल्विन द्वारा किया गया था। तब इसे राजपूताना म्यूजियम के नाम से जाना गया।

7. जूनागढ़ एवं लालगढ़ म्यूजियम स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर (3)

8. मेहरानगढ़ म्यूजियम कहाँ स्थित है?
(1) बीकानेर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) अजमेर (2)

व्याख्या– मेहरानगढ़ संग्रहालय में शाही मुगल तम्बू लालडेरा (वस्त्र का ताजमहल) प्रदर्शित है।

9. निम्न में से असत्य युग्म है–
(1) सिटी पैलेस म्यूजियम–उदयपुर
(2) आहड़ संग्रहालय–उदयपुर
(3) बागोर हवेली संग्रहालय–उदयपुर
(4) हल्दीघाटी संग्रहालय– उदयपुर (4)

व्याख्या– हल्दीघाटी संग्रहालय राजसमंद में स्थित है। यहाँ महाराणा प्रताप के जीवन की घटनाओं को संजोने के लिये संग्रहालय का निर्माण शिक्षक मोहनलाल श्रीमाली ने अपने निजी खर्च से किया है।

10. जैसलमेर में स्थित लोक सांस्कृतिक संग्रहालय की स्थापना कब की गई?
(1) 1999 (2) 1984
(3) 1985 (4) 1980 (2)

11. माणिक्यलाल वर्मा जनजाति संग्रहालय कहाँ स्थित है?
(1) डूँगरपुर (2) प्रतापगढ़
(3) उदयपुर (4) जोधपुर (3)

व्याख्या– माणिक्यलाल वर्मा जनजाति संग्रहालय की स्थापना 30 दिसम्बर, 1983 को माणिक्यलाल वर्मा जनजाति शोध संस्थान द्वारा की गई थी।

12. आहड़ संग्रहालय कहाँ स्थित है?
(1) डूँगरपुर (2) प्रतापगढ़
(3) उदयपुर (4) जोधपुर (3)

13. निम्न में से असत्य युग्म है–
(1) राव माधोसिंह संग्रहालय– कोटा
(2) मोती महल संग्रहालय– बूँदी
(3) सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय– जयपुर
(4) लोकवाद्यों का संग्रहालय– जयपुर (4)

व्याख्या– लोकवाद्य संग्रहालय जोधपुर में स्थित है।

14. घोसुण्डी शिलालेख, कलीला–दमना और मुल्ला दो प्याजा पर आधारित चित्र किस संग्रहालय में है?
(1) राजकीय संग्रहालय (डूँगरपुर)
(2) राजकीय संग्रहालय (उदयपुर)
(3) राजकीय संग्रहालय (कोटा)
(4) राजकीय संग्रहालय (अलवर) (2)

15. किस संग्रहालय में आहड़ सभ्यता से प्राप्त सामग्री रखी है?
(1) आहड़ संग्रहालय (उदयपुर)
(2) राजकीय संग्रहालय (डूँगरपुर)
(3) राजकीय संग्रहालय (उदयपुर)
(4) केन्द्रीय संग्रहालय (जयपुर) (1)

16. निम्न में से किस संग्रहालय का संचालन पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाता है?
(1) आहड़ संग्रहालय (उदयपुर) (2) राजकीय संग्रहालय (डूँगरपुर)
(3) राजकीय संग्रहालय(उदयपुर) (4) केन्द्रीय संग्रहालय (जयपुर) (1)

17. असत्य कथन छांटिए–
(1) गुड़िया घर– जयपुर
(2) संजय शर्मा ग्रंथ संग्रहालय– जयपुर
(3) सरस्वती पुस्तकालय– झुंझुनूं
(4) स्वामी विवेकानन्द म्यूजियम– झुंझुनूं (3)

व्याख्या– सरस्वती पुस्तकालय फतेहपुर (सीकर) में स्थित है।

28 राजस्थानी शब्दावली

1. बिजाई से पूर्व खेत में खड़ी झाड़ियाँ हटाना कहलाता है?
(1) निनाण करना (2) लावणी
(3) सूड़ करना (4) रेलणी (3)

2. राजस्थानी में हल जोतने वाला व्यक्ति कहलाता है?
(1) कांदियो (2) हाळी
(3) डीडू (4) गैंती (2)

3. ना सांवण सुंरगो, ना भादवो हरयो, नामक कहावत का तात्पर्य है?
(1) सावन में होने वाली बारिश
(2) सदैव एकसमान स्थिति रहना
(3) सावण और भादवे में अंतर होना
(4) स्थिति सदैव बदलती रहती है। (2)

4. हवन करता हाथ जलना, नामक कहावत का तात्पर्य है?
(1) भला करने पर भी बुराई मिलना
(2) हवन करने समय अग्नि का तेज होना
(3) बुरा करने वाले के साथ बुरा होना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं (1)

5. 'सीरावण' से तात्पर्य है?
(1) ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों का सुबह का भोजन
(2) ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों द्वारा प्रयुक्त हल
(3) ग्रामीण क्षेत्रों में बनाया जाने वाला खाद्य पदार्थ
(4) ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों का मध्यरात्रि का भोजन (1)

6. खड़ी फसल के मध्य उगे अनावश्यक घास व खरपतवार को हटाना कहलाता है?
(1) निनाण (2) लावणी
(3) सूड़ (4) पाती मांगना (1)

7. रावलौ तेल पल्लै में ई खतै' से तात्पर्य है?
(1) तेल बहुउपयोगी होता है।
(2) राजा का आदेश सर्वोपरि होता है।
(3) रावल जाति के लिए तेल की उपयोगिता
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

8. पकी हुई फसल की कटाई करना कहलाता है?
(1) निनाण (2) लावणी
(3) सूड़ (4) पाती मांगना (2)

9. 'नाक रे चूनो लगाणौ' का तात्पर्य है–
(1) किसी की इज्जत के बट्टा लगाना
(2) नाक का चूना लगना
(3) किसी को ठगना
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

10. अनाज निकालने के लिए खेत के मध्य तैयार व साफ की गई पक्की भूमी कहलाती है?
(1) काकड़ा (2) खळो
(3) सूड़ (4) निनाण (2)

11. रबी की फसल कहलाती है?
(1) उनालू (2) स्यालू
(3) 1 व 2 दोनों (4) इनमें से कोई नहीं (1)

12. निम्न में से मिट्टी को बिजाई के लिए तैयार करने के बाद उसकी नमी रोकने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला लकड़ी का सुहागा कहलाता है?
(1) चाहड़ या पाटा (2) चड़स या हींसू
(3) बोरा (4) पराणी या रांपी (1)

13. 'उदेई' शब्द प्रयुक्त होता है?
(1) सोरे के लिए (2) दीमक के लिए
(3) गोबर के बटोड़े के लिए (4) लवणी मिट्टी के लिए (2)

14. बटेवड़ा किस काम आता है?
(1) उपले या कंडे संग्रहण
(2) पानी रोकने के लिए बनाई गई बट या मिट्टी की दीवार
(3) अनाज संग्रहण की कोठियाँ
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

15. ऊँचे पेड़ पर या मजबूत लकड़ियों पर बनाई गई झोपड़ी कहलाती है?
(1) मचान या डागला (2) रहंट
(3) ढीकली (4) ओठ (1)

16. पान का खेत कहलाता है?
(1) बण (2) काकड़ा (3) डीडू (4) बजेड़ा (4)

17. बाजरे की फसल का सिट्टे के नीचे का हिस्सा जो पशुचारा में काम आता है?
(1) डीडू (2) पूळा
(3) कड़बी (4) काकड़ा (3)

18. अगेती एवं पछेती शब्दावली का सम्बन्ध है?
(1) फसल बुवाई में जल्दी व देरी के लिए
(2) क्यारी में आगे की फसल व पीछे की फसल के लिए
(3) विवाह में जल्दी व देरी के लिए
(4) रबी व खरीफ की फसल के लिए (1)

19. पगतिया उतारणो से तात्पर्य है?
(1) पैर को जमीन पर रखना
(2) देवी–देवताओं के पैरों के चिह्न
(3) सीढ़ियों के लिए प्रयुक्त
(4) आश्वासन देते रहना (4)

20. स्यालू से तात्पर्य है?
(1) खरीफ की फसल (2) रबी की फसल
(3) ठंड से खराब फसल (4) फसल का रोग (1)

21. टांऊ या बिजूका का उपयोग खेतों में किस लिए किया जाता है?
(1) घर की सुरक्षा के लिए (2) पशुओं की देखभाल के लिए
(3) फसल की सुरक्षा के लिए (4) सिंचाई यंत्र (3)

22. धावड़िया व्यक्ति होते थे?
(1) जो कारवां लूटते थे। (2) गाँव से निष्कासित
(3) ग्राम रक्षक व्यक्ति (4) पंचायत मुखिया (1)

23. सिंचाई के लिए कुएँ से पानी निकालने का उपक्रम जिस पर चक्कर लगे होते हैं?
(1) मसक (2) रहंट या ओठ
(3) गोफण (4) गुलेल (2)

24. कुएँ से पानी निकालने के लिए तुला की तरह काम लिया जाने वाला उपकरण है?
(1) ढ़ीकली (2) गोफण
(3) काकड़ा (4) कोठी (1)

29 राजस्थान में डाकटिकट

1. राजस्थान में 15 अगस्त 1949 को सर्वप्रथम एक रूपये का डाक टिकट निम्न में से किस पर जारी किया?
(1) विजय स्तम्भ (2) महाराणा प्रताप
(3) आमेर फोर्ट (4) बणी–ठणी (1)

2. निम्न में से किस पर 1 जनवरी 2017 को 25 रूपये का डाक टिकट नहीं जारी किया गया है?
(1) गणेश पोल (आमेर) (2) लालगढ़ महल (बीकानेर)
(3) मयूर प्रवेश द्वार,जयपुर (4) ब्लू पॉटरी(जयपुर) (2)

3. 15 नवम्बर, 2002 को 'थेवा कला' पर कितने रूपये का डाक टिकट जारी किया गया?
(1) 1 रूपये (2) 20 रूपये (3) 15 रूपये (4) 5 रूपये (4)

4. डाक टिकट वाले पड़दादा किसे कहा जाता है?
(1) गणपति (2) हकिम इब्राहिम खान
(3) कृपाराम खराड़ी (4) अलीबक्श (2)

5. निम्न में से किस पर 5 रूपये का डाक टिकट 2019 में जारी किया गया?
(1) मैग्जीन गेट(अजमेर) (2) चांद बावड़ी
(3) जैसलमेर किला (4) पुष्कर मेला (1)

6. निम्न में से असंगत युग्म है–

डाक टिकट	रूपये
(1) विजय स्तम्भ	– 1 रूपये
(2) मीरा बाई	– 2 आना
(3) महाराणा प्रताप	– 15 पैसे/2 रूपये
(4) बणी–ठणी	– 25 पैसे (4)

व्याख्या– 5 मई 1973 को बणी–ठणी पर 20 पैसे का डाकटिकट जारी किया गया।

7. निम्न में से किस लोकदेवता पर 2011 में 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया।
(1) रामदेवजी (2) पाबूजी (3) तेजाजी (4) हड़भूजी (3)

व्याख्या– राजस्थान में अब तक दो लोकदेवताओं पर डाक टिकट जारी किया गया है जिनमें सितम्बर 2011 में तेजाजी व देवनारायणजी पर 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया है।

8. निम्न में से असंगत युग्म है–

डाक टिकट	रूपये
(1) गोडावण पक्षी	– 2.30 पैसे
(2) मेयो कॉलेज	– 1 रूपये
(3) मोहनलाल सुखाड़िया	– 60 पैसे
(4) खेजड़ी वृक्ष	– 5 रूपये (4)

व्याख्या– 5 जुन, 1988 को खेजड़ी वृक्ष पर 60 पैसे का डाक टिकट जारी किया गया।

9. निम्न में से असंगत युग्म है–

डाक टिकट	रूपये
(1) रानी जी की बावड़ी	– 5 रूपये
(2) जंतर–मंतर,जयपुर	– 15 रूपये
(3) शेखावाटी चित्रकला	– 15 रूपये
(4) पुष्कर मेला	– 2 रूपये (3)

व्याख्या– शेखावाटी चित्रकला पर 20 जून, 2012 को 20 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया।

10. निम्न में से किस किले पर 2018 में 5 रूपये का डाक टिकट नहीं जारी किया गया है?
(1) चित्तौड़गढ़ (2) गागरोन
(3) रणथम्भौर (4) कुम्भलगढ़ (1)

व्याख्या– चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर 2018 में 12 रूपये का डाक टिकट जारी हुआ था।

11. निम्न में से असंगत युग्म है–

डाक टिकट	रूपये
(1) शेखावाटी चित्रकला	– 20 रूपये
(2) भामाशाह	– 3 रूपये
(3) पृथ्वीराज चौहान	– 3 रूपये
(4) कृष्ण मृग	– 25 रूपये (4)

व्याख्या– 20 जुलाई, 2000 को 'कृष्ण मृग' पर 25 पैसे का डाक टिकट जारी किया गया।

12. निम्न में से किस किले पर 2018 में 12 रूपये का डाक टिकट नहीं जारी किया गया है?
(1) रणथम्भौर (2) जैसलमेर (3) चित्तौड़गढ़ (4) आमेर (1)

व्याख्या– रणथम्भौर किले पर 2018 में 5 रूपये का डाक टिकट जारी हुआ था।

13. निम्न में से असंगत युग्म है–

डाक टिकट	रूपये
(1) थेवाकला	– 5 रूपये
(2) आचार्य तुलसी दास	– 3 रूपये
(3) देवनारायण जी की फड़	– 2 रूपये
(4) विजयसिंह पथिक	– 1 रूपये (3)

व्याख्या– 2 सितम्बर, 1992 में देवनारायण जी की फड़ पर 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया तथा लोकदेवता देवनारायण जी पर 5 सितम्बर, 2011 में 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया।

14. निम्न में से 29 दिसम्बर, 2017 को किस बावड़ी पर 5 रूपये का डाक टिकट नहीं जारी किया गया है?
(1) पन्ना मीणा की बावड़ी (2) नीमराना की बावड़ी
(3) हाड़ी रानी की बावड़ी (4) चाँद बावड़ी (3)

15. सितम्बर, 2011 में किस लोकदेवता पर 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया?
(1) रामदेवजी (2) देवनारायण जी
(3) हड़भूजी (4) पाबूजी (2)

16. निम्न में से किस दुर्ग पर 28 जनवरी, 2009 को 5 रूपये का डाक टिकट जारी किया गया?
(1) सोनारगढ़ (2) कुम्भलगढ़
(3) गागरोन (4) रणथम्भौर (1)